भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

7 जनवरी - 13 जनवरी, 2026

jagrukjanta.net

पौष, पक्ष - कृष्ण, तिथि - पंचमी, संवत 2082 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-45, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

जयपुर में राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026

प्रदेश में स्टार्टअप के लिए बेहतर ईकोसिस्टम-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्तमान सदी में मानवता के लिए एक नया कोड- एक नई भाषा लिख रहा है। उन्होंने एआई को प्रदेश की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण घटक बताते हुए कहा कि इसके विवेकपूर्ण उपयोग से सरकार ई-गवर्नेंस और डिजिटल समावेशन को और अधिक व्यापक एवं जन केन्द्रित बना रही है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को जयपुर के जेईसीसी में आयोजित राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि सहित अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन लाकर लोगों के जीवन को बेहतर बना रहा है और विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने उद्यमियों, निवेशकों और युवाओं को एआई के उभरते क्षेत्र में सहभागी बनने के लिए राजस्थान में आमंत्रित भी किया। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश एआई के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री का मानना है कि एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि 21वीं सदी में राष्ट्रीय शक्ति और समृद्धि का आधार है। एआई देश की नीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और सामाजिक संरचना को बेहतर स्वरूप दे रहा है।

एआई-एमएल पॉलिसी से नवाचार को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में तकनीक और स्टार्टअप के सशक्त इकोसिस्टम के निर्माण के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। राज्य सरकार द्वारा लाई गई एआई-एमएल पॉलिसी से एआई सिस्टम अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और निजता-संरक्षण के प्रति जवाबदेह बनेंगे। इस नीति से सार्वजनिक सेवा वितरण अधिक त्वरित, नागरिक-केंद्रित और पारदर्शी होगा तथा प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि एआई से जुड़े साइबर अपराधों की रिपोर्टिंग और समाधान की प्रक्रिया सरल की जाएगी, प्रदेश में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित होगा तथा स्कूलों, आईटीआई, पॉलिटेक्निक और कॉलेजों में एआई शिक्षा को प्रोत्साहन दिया जाएगा। उद्योग, स्टार्टअप और रिसर्च संस्थानों को भी विशेष प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे।

डिजिफेस्ट स्टार्टअप्स के लिए ग्लोबल गेटवे

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिफेस्ट ने स्टार्टअप्स को निवेशकों से, विद्यार्थियों को अवसरों से और उद्योग को सरकार से जोड़ डिजिटल राजस्थान का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन स्टार्टअप्स के लिए ग्लोबल गेटवे साबित हो रहे हैं, जहां फंडिंग के साथ-साथ विश्वस्तरीय मेंटर्स का मार्गदर्शन भी मिल रहा है। एआई-एमएल, फिनटेक, एग्रीटेक, एआर-वीआर और प्रॉपटेक जैसे क्षेत्रों में विचार-विमर्श से नए अवसरों के द्वार खुल रहे हैं।

राजस्थान में हर माह 81 हजार करोड़ रुपये के यूपीआई लेनदेन

शर्मा ने कहा कि राजस्थान में 6 करोड़ 50 लाख से अधिक मोबाइल उपयोगकर्ता हैं और हर माह औसतन 81 हजार करोड़ रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन हो रहे हैं। ऑनलाइन सेवाओं के बढ़ते उपयोग को देखते हुए साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए ऑपरेशन एंटी वायरस के माध्यम से साइबर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी, डेटा सेंटर नीति 2025, अटल इनोवेशन स्टूडियो, स्टार्टअप लॉन्चपैड, लीप प्रोग्राम और सेंटर फॉर एडवांस्ड स्किलिंग जैसी पहलों से प्रदेश में रोजगार और नवाचार को बढ़ावा मिल रहा है। एआई के विस्तार के साथ-साथ भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हुए निवेश समझौतों में से बड़ी संख्या में परियोजनाएं धरातल पर उतर रही हैं।

एआई बनेगा अभिन्न अंग, जन-जन तक पहुंचेगी कंप्यूट सुविधा-वैष्णव

केन्द्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने वाले समय में मानव जीवन का अभिन्न अंग बनेगा और हर व्यक्ति, हर घर तथा हर उद्यम तक इसकी पहुंच होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में एआई को समावेशी, सुलभ और जनोपयोगी बनाने की दिशा में ठोस और दूरदर्शी कदम उठाए जा रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कम समय में भारत ने एआई मशीनों और तकनीक के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है और आज देश की एआई क्षमताएं विश्व स्तर पर चर्चित है। एआई कंप्यूट सुविधा को 'जन-जन' तक पहुंचाने के उद्देश्य से कॉमन कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है, जिसके अंतर्गत देशभर में कम लागत पर उन्नत कंप्यूट संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

गूगल आईआईटी दिल्ली एवं एनएलयू जोधपुर के साथ हुए महत्वपूर्ण एमओयू

बच्चे भी सीख सकेंगे एआई की बारीकियां

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के जेईसीसी में आयोजित 'राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस-2026' के उद्घाटन सत्र में नेशनल एआई लिटरेसी प्रोग्राम, राजस्थान एआई-एमएल पॉलिसी 2026, आईस्टार्ट लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, राजस्थान एवीजीसी-एक्सआर पोर्टल तथा राजस्थान एआई पोर्टल का शुभारंभ किया। इन पहलों के माध्यम से राज्य में एआई आधारित शिक्षा, स्टार्टअप्स, शोध, कौशल विकास और डिजिटल गवर्नेंस को नई गति मिलेगी तथा सूचना प्रौद्योगिकी के उभरते हुए क्षेत्रों में नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि तकनीक का प्रभावी उपयोग ही भविष्य के विकास और नागरिकों को सशक्त बनाने का आधार है और राजस्थान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में नवाचार, निवेश और सुशासन का अग्रणी केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

एमओयू साइनिंग का होलोग्राफिक तकनीक से जीवंत अनुभव

कार्यक्रम के दौरान तकनीक के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए योजना भवन में हुए तीन महत्वपूर्ण एमओयू को जेईसीसी में 98 इंच की अत्याधुनिक होलोग्राफिक प्रोजेक्शन स्क्रीन पर जीवंत दिखया गया। यह सरकारी आयोजनों के इतिहास में पहला अवसर रहा, जब किसी लाइव कार्यक्रम को होलोग्राफिक अनुभव के रूप में प्रस्तुत किया गया। इससे पूर्व इस तकनीक का प्रदर्शन जी-20 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ही देखा गया है। आईस्टार्ट में पंजीकृत स्टार्टअप कलेन्स के रजत जैन द्वारा विकसित इस तकनीक के माध्यम से योजना भवन में गूगल, आईआईटी दिल्ली और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर के साथ संपन्न द्विपक्षीय एमओयू साइनिंग को मंच पर होलोग्राफिक रूप में प्रस्तुत किया गया।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026

आज भारत दुनिया में सबसे ज्यादा यूनिकॉर्न बनाने वाला तीसरा देश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट के तीसरे दिन मंगलवार को स्टार्टअप्स के विभिन्न पहलुओं पर 'फर्स्ट चेक फर्स्ट कन्विक्शन' सेशन में पैनल डिस्क्शन हुआ। मुख्य हॉल में हुए सेशन का संचालन 247वीसी के फाउंडर याग्नेश संघराजका ने किया। इसमें केन्द्र सरकार के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग के संयुक्त सचिव संजीव सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा वर्ष 2016 से स्टार्टअप्स में निवेश को प्रोत्साहित किया जा रहा है। नए स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम को आगे बढ़ाया जा रहा है। केंद्र की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अब स्टार्टअप्स सुगमता के साथ निवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं।

सिंह ने कहा कि भारत सरकार एजुटेक, मैन्यूफैक्चरिंग, डीपटेक, माइक्रो वीसी जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे रही हैं। सरकार के प्रयासों एवं स्टार्टअप फाउंडर्स की मेहनत से स्टार्टअप्स को लेकर देश में वातावरण पूरी तरह बदल चुका है। निवेशकों की रुचि स्टार्टअप में लगातार बड़ी है। उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप इकोसिस्टम स्थापित करना हमारा लक्ष्य है। आज भारत दुनिया में यूनिकॉर्न बनाने वाला तीसरा देश बनकर उभरा है। वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा स्थानीय ब्रांड बनाने और उसे दुनियाभर में पहुंचाने के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टियर-1 शहरों के साथ अब टियर-2 एवं टियर-3 शहरों से भी लगातार बड़े स्टार्टअप्स उभर रहे हैं, जो कि भविष्य के लिए एक सुखद बदलाव है।

सत्र में आइवीकैप वेंचर्स के फाउंडर विक्रम गुप्ता ने कहा कि गत एक दशक में स्टार्टअप्स के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन हुआ है। प्रशासनिक तौर पर भी आज स्टार्टअप फाउंडर्स को प्रोत्साहन मिल रहा है। स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया जैसे कार्यक्रमों द्वारा तैयार हुए वातावरण से आज भारत में 2 लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले स्टार्टअप्स में निवेश को लेकर मन में संशय रहता था, लेकिन आज स्टार्टअप्स को निवेशकों द्वारा सकारात्मकता से लिया जा रहा है। गुप्ता ने कहा कि स्टार्टअप्स में निवेश करते समय निवेशक द्वारा उस क्षेत्र में विस्तार की संभावनाओं का आकलन किया जाता है। साथ ही, स्टार्टअप में लक्ष्य के क्रियान्वयन की क्षमता, टीम की प्रतिभा एवं सफलता के लिए उत्साह का भी मूल्यांकन किया जाता है। निवेशक यह भी ध्यान रखते हैं कि वे स्वयं अपने अनुभव के साथ किस स्तर पर स्टार्टअप के विकास में योगदान दे सकते हैं।

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?

देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...

Kabira
Healthy Growth
Yellow Mustard Oil

Natural Immunity Booster
FORTIFIED WITH VITAMIN A & D3
100% VEG.
COLD PRESSED PROCESSING UNDER
KOSHER

स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।

- प्राचीन शीतल विधी घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधी उच्च ताप रहित ।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
- केवल देसी सरसों द्धारा निर्मित ।
- मोटापा घटाने में लाभदायक ।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
- छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।

Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमूखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-

To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
+91 98290 50738
www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEERA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
For Arward Details : Contact 98290-50738
* In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)
#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान

राजस्थान संपर्क पोर्टल प्रदेशवासियों के भरोसे और संवाद का विश्वसनीय मंच

हेल्पलाइन 181 के माध्यम से आमजन की समस्याओं की नियमित सुनवाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ प्रदेशवासियों की समस्याओं का समाधान कर रही है। आमजन की सहायता के लिए स्थापित राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की हेल्पलाइन 181 सभी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का एक बेहतरीन मंच साबित हो रही है। यह पोर्टल (हेल्पलाइन 181) प्रदेशवासियों और राज्य सरकार के बीच संवाद और समाधान के सोपान का अनूठा माध्यम बनता जा रहा है। यह प्रणाली एक ही प्लेटफार्म पर सुगम, सरल, पारदर्शी और त्वरित राहत का एक जरिया बनकर उभर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समय-समय पर स्वयं हेल्पलाइन 181 कॉल सेंटर पर पहुंच कर आमजन की समस्याओं को सुनते हैं और उनके त्वरित निस्तारित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं। राजस्थान संपर्क के माध्यम से प्रदेश में आमजन की शिकायत निवारण और राज्य सरकार के विभागों से संबंधित जानकारी प्रदान करने का मजबूत तंत्र विकसित हुआ है। यह हेल्पलाइन एक एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के रूप में कार्य करते हुए ऑनलाइन माध्यम से तय समय सीमा में शिकायतों और सवालों को सम्बंधित विभागों तक पहुंचाती है। साथ ही, नागरिकों को इस संबंध में लगातार अपडेट करते हुए उनसे फीडबैक भी लेती है। राजस्थान सम्पर्क द्वारा प्रतिदिन लोगों की समस्याओं का निस्तारण किया जा रहा है।

आवश्यक दस्तावेज सम्बन्धी समस्या का समयबद्ध समाधान

हनुमानगढ़ निवासी प्रभुराम के जाति प्रमाण पत्र से जुड़ी समस्या का समाधान राजस्थान संपर्क के माध्यम से समयबद्ध रूप से हुआ। जब राजस्व विभाग द्वारा जाति प्रमाण पत्र जारी करने में विलम्ब हुआ तो 11 अक्टूबर, 2025 को शिकायत दर्ज की गई। शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए राजस्व विभाग ने 13 अक्टूबर, 2025 को जाति प्रमाण पत्र जारी कर दिया। परिवाद के सत्यापन के दौरान शिकायतकर्ता ने संतुष्टि दर्ज करते हुए धन्यवाद भी व्यक्त किया। इसी तरह कोटा निवासी शिवानी रजत जी के जनआधार में आय प्रमाण पत्र अपडेट नहीं होने से काम अटका हुआ था। 25 नवम्बर, 2025 को यह समस्या राजस्थान संपर्क पर दर्ज की गई और यहीं से समाधान की प्रक्रिया ने गति पकड़ी। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए 28 नवम्बर, 2025 को आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा जनआधार अपडेट कर दिया गया।

सफाई की शिकायत, तुरंत कार्रवाई

बीकानेर निवासी गोविंद सिंह ने जब अपने क्षेत्र में सफाई नहीं होने की समस्या को लेकर 11 दिसम्बर, 2025 को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराई तो उन्हें तुरंत जवाब मिला। नगरपालिका बीकानेर ने तुरंत कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में सफाई करवाकर समस्या का निस्तारण किया। यही नहीं, अंता (बारां) निवासी रवि की कॉलोनी में नाले का गंदा पानी सड़क पर बहने लगा था, जिससे परेशानी बढ़ती जा रही थी। 2 दिसम्बर, 2025 को यह समस्या राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज हुई और समाधान भी तुरंत हुआ। शिकायत मिलते ही नगर पालिका, बारां ने उसी दिन बताए गए स्थान पर सफाई करवाई। शिकायतकर्ता से संवाद कर निस्तारण का सत्यापन भी किया गया।

खेत तक पहुंची रोशनी, कृषक को मिली राहत

भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर निवासी श्यामलाल के खेत पर एक महीने तक बिजली आपूर्ति बाधित होने से कृषि संबंधी कार्य बाधित हो रहा था। 26 नवम्बर, 2025 को यह समस्या राजस्थान संपर्क पर दर्ज हुई। शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने 28 नवम्बर, 2025 को खेत पर बिजली आपूर्ति सुचारु कर दी।

सुविधाओं का सुचारू संचालन हुआ सुनिश्चित

सलूम्बर के बामनिया निवासी महेश कुमार के क्षेत्र में पाइपलाइन टूट जाने से जल आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। कई बार सूचना देने के बाद भी समस्या जस की तस बनी रही, तब 5 दिसम्बर, 2025 को यह शिकायत राजस्थान संपर्क पर दर्ज की गई। शिकायत मिलते ही जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग सक्रिय हुआ और 7 दिसम्बर, 2025 को संबंधित उपखंड के सहायक अभियंता द्वारा टूटी पाइपलाइन को ठीक करवा दिया गया। ऐसा ही एक मामला सवाईमाधोपुर जिले के बोली क्षेत्र में देखने को मिला,जब सार्वजनिक हैंडपंप खराब होने से पेयजल समस्या उत्पन्न हो गई। स्थानीय निवासी दिनेश कुमार ने 12 अक्टूबर, 2025 को यह शिकायत राजस्थान संपर्क पर दर्ज कराई और प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लिया। अगले ही दिन, 13 अक्टूबर को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा हैंडपंप को ठीक करवा दिया गया। उपरोक्त सभी उदाहरण यह साबित करते है कि जब नागरिक अपनी समस्या सही मंच तक पहुंचाते हैं, तो प्रशासन भी उतनी ही संवेदनशीलता और तत्परता से समाधान सुनिश्चित करता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन नागरिक और सरकार के बीच विश्वास की वह कड़ी है, जहां हर शिकायत सिर्फ सुनी नहीं जाती, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्रवाई के साथ उसका समाधान किया जाता है। यही जनसेवा की सच्ची पहचान है।

विधानसभा अध्यक्ष ने AI IMPACT समिट भारत 2026 का किया अवलोकन

राज्य और देश के विश्लेषण में एआई का उपयोग जरूरी-देवनानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन भारत 2026 के अंतर्गत आयोजित राजस्थान क्षेत्रीय एआई प्रभाव सम्मेलन 2026 एआई का लोकतंत्रीकरण कार्यक्रम में सहभागिता प्रदर्शनी का अवलोकन किया। यह शिखर सम्मेलन एआई, युवा और जिम्मेदार नागरिक के विषय के साथ जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र (जेईसीसी), जयपुर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री देवनानी ने विरासत स्मारकों की त्रि-आयामी वर्चुअल यात्रा के माध्यम से राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक तकनीक से प्रस्तुत किए जाने की सराहना की। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से आमेर किला, अल्बर्ट हॉल, सिटी पैलेस जयपुर, श्रीनाथ जी के दर्शन, सिटी पैलेस उदयपुर, जंतर-मंतर, हवा महल तथा कुम्भलगढ़ दुर्ग का अत्यंत जीवंत एवं निकट से अनुभव किया।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एक ऐसा प्रभावी उपकरण है, जिसका उपयोग वर्तमान समय में अनिवार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि शासन व्यवस्था (गवर्नेंस) में भी एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा राज्य और देश से जुड़े विषयों का विश्लेषण एआई के माध्यम से किया जाना चाहिए, ताकि उसकी वास्तविक उपयोगिता को सामने लाया जा सके।

उन्होंने कहा कि एआई एक तकनीकी प्रणाली है, जो उसे उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर ही परिणाम प्रस्तुत करती है। ऐसे में हमारी यह जिम्मेदारी बनती है कि हम एआई को सौ प्रतिशत सही, प्रामाणिक एवं तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि वह हमें सटीक, विश्वसनीय और उपयोगी परिणाम प्रदान कर सके। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को बढ़ावा दे रही है लेकिन पूर्ण सावधानी के साथ। उन्होंने कहा कि शिक्षक, विद्यार्थी एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग एआई के माध्यम से अपनी आवश्यकताओं एवं कार्यों को अधिक सरलता से पूर्ण कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान भौगोलिक दृष्टि से एक विशाल राज्य है, ऐसे में एआई जैसी आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रशासनिक एवं विकासात्मक कार्यों को अधिक सहज और प्रभावी बनाया जा सकता है। वर्तमान में शैक्षणिक संस्थान एवं विभिन्न प्रशिक्षण केंद्र एआई का उपयोग कर रहे हैं, और यह प्रक्रिया डिजिटलीकरण का ही एक अभिन्न अंग है।

16वीं राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र 28 से, राज्य का बजट भी प्रस्तुत होगा, अधिसूचना जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। 16वीं राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि इस अधिवेशन के संबंध में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने अधिसूचना जारी कर दी है। लगभग एक महीने तक चलने वाले इस सत्र में राज्य का वर्ष 2026-27 बजट भी प्रस्तुत होगा। स्पीकर देवनानी ने बताया कि लगभग एक महीने तक यह सत्र चलेगा। सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। इस सत्र में राज्य सरकार द्वारा राज्य का बजट भी पेश किया जाएगा।

राज्यपाल ने किया सत्र आहूत

राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरु होने जा रहा है। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सत्र आहूत करने के लिए भेजे गए पत्र को मंजूर कर लिया है। प्रदेश की वर्तमान भाजपा सरकार का यह पांचवा सत्र होगा। यह बजट सत्र दो चरणों में संभावित है। बजट सत्र के पहले दिन 28 जनवरी को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का अभिभाषण होगा। इसमें राज्य सरकार के कामकाज का लेखा-जोखा रखा जाएगा। तीन दिन अभिभाषण पर बहस होगी। चौथे दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर सरकार अपना पक्ष रखेगी। इसके बाद कुछ दिन का अंतराल देकर सरकार बजट पेश कर सकती है। इस बजट सत्र में भाजपा सरकार अपना तीसरा बजट पेश करेगी।

जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा

विस अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि सत्र के दौरान राज्य के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों, विधायी कार्यों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। साथ ही प्रश्न, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, विशेष उल्लेख प्रस्ताव और स्थगन प्रस्ताव जैसे संसदीय कार्य भी संपादित होंगे।

सर्वदलीय बैठक

वासुदेव देवनानी विधान सभा के पंचम अधिवेशन से पूर्व विधान सभा में सर्वदलीय बैठक भी बुलायेंगे। राजस्थान विधान सभा में अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने ही सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाये जाने की पहल की है। विधानसभा के इतिहास में यह महत्वपूर्ण नवाचार है।

जयपुर बनेगा सैन्य गतिविधियों का केंद्र, 8 से 12 जनवरी तक 'नो योर आर्मी', 15 को सेना दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी में इस बार 15 जनवरी को सेना दिवस परेड भव्य रूप से आयोजित की जाएगी। इसके लिए पूरे शहर में एक सप्ताह तक विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इन कार्यक्रमों में भारतीय सेना की प्रदर्शनी, सवाई मान सिंह स्टेडियम में विशेष कार्यक्रम और जगतपुरा में मुख्य परेड शामिल हैं। इन आयोजनों के माध्यम से आमजन को सेना की शक्ति और पराक्रम को दिखाया जाएगा। 8 जनवरी से 12 जनवरी तक सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन कॉलेज में 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। यहां आम लोग भारतीय सेना की विभिन्न आधुनिक हथियार तोपों, आर्टिलरी उपकरणों और सैन्य संसाधनों को नजदीक से देख सकेंगे।

सचिवालय में पार्किंग व्यवस्था का हो रहा कायाकल्प

ट्रैफिक जाम से भी मिलेगी राहत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी ने बनाया एक्शन प्लान, सितम्बर माह तक हो जाएंगे सभी सम्बंधित कार्य

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शासन सचिवालय में पार्किंग व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश की पालना में तेजी से कार्य किया जा रहा है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने इस सम्बंध में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय अवधि में नवीन पार्किंग निर्माण और मौजूदा पार्किंग की मरम्मत और सौंदर्यकरण करवाने के निर्देश दिए हैं। ताजा स्थिति के अनुसार फ्रंट लोन के नीचे दो मंजिला बेसमेंट पार्किंग में पानी रिसाव की समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए थर्ड पार्टी फिजिकल ऑडिट की रिपोर्ट के आधार पर 5 करोड़ 42 लाख रुपये बजट व्यय कर मरम्मत कार्य करवाया जा रहा है। यह कार्य आगामी सितम्बर माह तक पूर्ण हो जाएगा।

इस मरम्मत कार्य से 550 फोर व्हीलर क्षमता वाली वाली इस पार्किंग की जलरिसाव की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हो जाएगा। यहां पूर्व में हुआ निर्माण कार्य पुराना होने के कारण एक्सपेंशन जॉइंट्स से पानी रिसाव होने पर बीम, कॉलम और पिलर में लगे लोहे के सरियों में जंग लग रही है और सीमेंट और कंक्रीट का जोड़ कमजोर हो गया है।

इसके साथ ही सचिवालय प्रवेश द्वार के पास बन रहे नार्थ ब्लॉक के नीचे भी 3 मंजिला बेसमेंट में 268 चार पहिया वाहनों का पार्किंग स्पेस है। इस पार्किंग का निर्माण कार्य आगामी जून माह तक पूर्ण हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि शासन सचिवालय, विधानसभा, राजस्थान उच्च न्यायालय, आयकर विभाग समेत कई महत्वपूर्ण संस्थानों के कारण इस एरिया में पार्किंग और ट्रैफिक व्यवस्था में सीधा सम्बंध है। समुचित पार्किंग के अभाव में कई बार जाम लगने की समस्या हो जाती है। इसी को देखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सचिवालय वाहन पार्किंग व्यवस्था में आमूलचूल सुधार के निर्देश दिए थे। इससे सचिवालय में कार्यरत कार्मिकों के साथ ही राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले परिवादियों, कार्मिकों और गणमान्य लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी, जाम में लगने वाले समय और ईंधन हानि से राहत मिलेगी।

राज्य में उर्वरक उपलब्धता : बागड़ व मेवाड़ क्षेत्र में यूरिया की मांग से अधिक आपूर्ति

प्रदेश में 1 लाख 19 हजार मैट्रिक टन यूरिया स्टॉक में उपलब्ध- डॉ मीणा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार और कृषि विभाग द्वारा उर्वरकों की दैनिक उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखते हुए कमउपलब्धता एवं अधिक खपत वाले जिलों एवं ब्लॉकों को चिन्हित कर प्रदेश भर में प्राथमिक्ता से पारदर्शिता के साथ वितरण करवाया जा रहा है। उर्वरकों की कालाबाजारी एवं जमाखोरी को रोकने के लिए विभाग के अधिकारी प्रदेश भर में पूर्ण सतर्कता से कार्य कर रहे हैं तथा खाद के अवैध भण्डारण, कालाबाजारी व यूरिया डाइवर्जन के प्रकरणों में व्यापक कार्यवाही की जा रही है।

बांसवाड़ा में मांग से 34 प्रतिशत अधिक सप्लाई

उन्होंने बताया कि बांसवाड़ा जिले में अक्टूबर से दिसम्बर तक की मांग 31 हजार 900 मैं. टन यूरिया के विरुद्ध अब तक 42 हजार 763 मैं. टन यूरिया की उपलब्धता करवाई जा चुकी है। जोकि मांग से 34 प्रतिशत अधिक सप्लाई किया जा चुका है और बांसवाड़ा जिले में वर्तमान में 4 हजार 589 मैं. टन यूरिया उपलब्ध है।

राज्य में 1 लाख 19 हजार मैं. टन यूरिया उपलब्ध

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा निरंतर केंद्र सरकार से समनव्य स्थापित कर प्रदेश की मांग अनुसार उर्वरकों की आपूर्ती करवायी जा रही है। वर्तमान में राज्य में यूरिया की कोई कमी नहीं है। उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु रबी 2025 में अक्टूबर से दिसम्बर तक की मांग 11 लाख 34 हजार मै. टन यूरिया के विरुद्ध 1 अक्टूबर 2025 को उपलब्ध स्टॉक सहित अब तक 14 लाख 10 हजार मै. टन यूरिया की उपलब्धता करवाई जा चुकी है। वर्तमान में राज्य में 1 लाख 19 हजार मैं. टन यूरिया स्टॉक में उपलबध है।

डूंगरपुर में 432 मैं. टन व उदयपुर में 2 हजार 169 मैं. टन यूरिया उपलब्ध

डूंगरपुर जिले में अक्टूबर से दिसम्बर तक की मांग 6 हजार 700 मैं. टन यूरिया के विरुद्ध 8 हजार 65 मैं. टन सप्लाई करवाया जा चुका है, जोकि मांग से 20 प्रतिशत अधिक है। डूंगरपुर जिले में वर्तमान में 432 मैं. टन यूरिया उपलबध है। इसी प्रकार उदयपुर जिले में वर्तमान में 2 हजार 169 मैं. टन यूरिया उपलब्ध है। उदयपुर में अब तक 21 हजार मैं. टन यूरिया की मांग के विरुद्ध 28 हजार 332 मैं. टन यूरिया की उपलब्धता करवाई जा चुकी है, जो कि मांग से 35 प्रतिशत अधिक है।

राजसमंद में मांग से 40 प्रतिशत और चित्तोड़गढ़ में 28 प्रतिशत अधिक सप्लाई

डॉ. किरोड़ी लाल ने बताया कि राजसमंद में 6 हजार 600 मैं. टन यूरिया की मांग के विरुद्ध 9 हजार 222 मैं. टन यूरिया की उपलब्ध करवाया जा चुका है, जोकि मांग से लगभग 40 प्रतिशत अधिक सप्लाई की जा चुकी है। वर्तमान में जिले में 810 मैं. टन यूरिया उपलब्ध है। इसी प्रकार चित्तोड़गढ़ में वर्तमान में 4 हजार 888 मैं. टन यूरिया उपलब्ध है। जिले में 43 हजार 700 मैं. टन यूरिया की मांग के विरुद्ध अभी तक 55 हजार 976 मैं. टन यूरिया सप्लाई किया जा चुका है, जोकि मांग से 28 प्रतिशत अधिक है। भीलवाड़ा जिले में वर्तमान में 4 हजार 191 मैं. टन यूरिया स्टॉक में उपलब्ध है। यहां पर 31 हजार 200 मैं. टन यूरिया की मांग के विरुद्ध अब तक 37 हजार 977 मैं. टन यूरिया की उपलब्धता करवाई जा चुकी है, जोकि मांग से लगभग 22 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार पूरे बागड़ व मेवाड़ क्षेत्र में यूरिया की कोई कमी नहीं है। कृषि विभाग के अधिकारी पूर्ण सतर्कता से प्रदेश में यूरिया का वितरण करवा रहे हैं।

सोमेश्वर महादेव के पौषबड़ा प्रसादी आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। पॉवर हाउस शास्त्री नगर स्थित नाहरी का नाका, सिंधु नगर के बालाजी मार्केट में सोमेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में 18वां दिवसीय पौष बड़ा महोत्सव श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आयोजित किया गया। पौष मास के पावन अवसर पर आयोजित इस महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसादी ग्रहण की और भगवान शिव की आराधना की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ उपायुक्त सतर्कता नगर निगम हेरिटेज, विशिष्ट अतिथि के रूप में हिम्मत सिंह SHO थाना शास्त्री नगर,प्रदीप गोयल एसीपी स्पेशल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन यूनिट, जयपुर नॉर्थ उपस्थित रहे। मंदिर समिति की ओर से उनका दुपट्टा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुंदर टेलीकॉम के मोहित धीरवानी ने की। महोत्सव के दौरान भगवान की आरती कर सभी श्रद्धालुओं को दोना प्रसादी वितरित की गई।

सेटेलाइट अस्पताल में मनाया नववर्ष स्नेह मिलन समारोह

जयपुर @ जागरूक जनता। ट्रांसपोर्ट नगर सेठी कॉलोनी स्थित एस.आर गोयल राजकीय सटेलाइट अस्पताल में नववर्ष स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे चिकित्सालय परिवार की ओर से समन्वय समिति के अध्यक्ष राजेश यादव, सचिव सज्जन सोनी एवं नर्सिंग अधीक्षक राजेश बंसल के नेतृत्व मे समस्त स्टॉफ ने अस्पताल अधीक्षक डॉ. गोवेर्धन मीणा को नववर्ष की शुभकामनायें दी। इस मौके पर अधीक्षक डॉ. गोवेर्धन मीणा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए समस्त स्टॉफ को मरीजों के हित मे कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा की अस्पताल मे कोई भी मरीज अधिक परेशानी होने पर ही आता है ऐसे मे सभी अस्पताल कर्मचारियों एवं डॉक्टर्स का दायित्व भी बढ़ जाता है। उन्होंने सेवा ही धर्म की बात करते हुए कहा की मरीज के साथ अस्पताल परिसर मे सही व्यवहार एवं उसको संतुष्ट करना ही सभी का लक्ष्य होना चाहिए। इस मौके पर प्रणीता हाडा, अनीता वाधवा, संगीता विजय, घनश्याम मीणा, वेदप्रकाश, महेश मीना, विजय अग्रवाल, कैलाश मीना, जेडी मीणा सहित कई स्टॉफ मौजूद रहा।

यात्रियो की सुविधा हेतु रेलसेवाओं का आसलपुर जोबनेर, कनकपुरा व भैसलाना स्टेशनों पर ठहराव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु जयपुर -मारवाड-जयपुर रेलसेवा का आसलपुर जोबनेर स्टेशन, जयपुर-उदयपुर सिटी-जयपुर स्पेशल रेलसेवा का कनकपुरा स्टेशन एंव फुलेरा-रेवाडी रेलसेवा का भैसलाना स्टेशन पर प्रायोगिक आधार पर आगामी आदेशों तक ठहराव दिया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार गाडी संख्या 19735, जयपुर-मारवाड रेलसेवा दिनांक 08.01.26 से आसलपुर जोबनेर स्टेशन पर 06.03 बजे आगमन व 06.05 बजे प्रस्थान करेगी।

इसी प्रकार गाडी संख्या 19736, मारवाड-जयपुर रेलसेवा दिनांक 08.01.26 से आसलपुर जोबनेर स्टेशन पर 21.18 बजे आगमन व 21.20 बजे प्रस्थान करेगी। गाडी संख्या 09721, जयपुर- उदयपुर सिटी स्पेशल रेलसेवा दिनांक 08.01.26 से कनकपुरा स्टेशन पर 06.27 बजे आगमन व 06.29 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 09722, उदयपुर सिटी -जयपुर रेलसेवा दिनांक 08.01.26 से कनकपुरा स्टेशन पर 21.42 बजे आगमन व 21.44 बजे प्रस्थान करेगी। गाडी संख्या 19621, फुलेरा-रेवाडी रेलसेवा दिनांक 08.01.26 से भैसलाना स्टेशन पर 03.05 बजे आगमन व 03.06 बजे प्रस्थान करेगी।

राजस्थान पंचायत सीमांकन मामले में सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

15 अप्रैल 2026 तक पंचायत चुनाव का रास्ता साफ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के गांव सिंगहानिया सहित अन्य ग्रामीणों की ओर से दायर विशेष अनुमति याचिका (SLP) को खारिज करते हुए राज्य में पंचायत सीमांकन (Delimitation) प्रक्रिया को अंतिम रूप से मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही पंचायत चुनाव निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कराए जाने का रास्ता साफ हो गया है। चुनाव 15 अप्रैल 2026 तक कराए जाएंगे। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह फैसला दिया। दरअसल राजस्थान हाईकोर्ट के 14 नवंबर 2025 के उस फैसले के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें पूरे राज्य में पंचायत सीमांकन प्रक्रिया को वैध ठहराते हुए इसे 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण करने और सभी पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव 15 अप्रैल 2026 तक कराए जाने के निर्देश दिए गए थे। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि उनके गांव को जिस ग्राम पंचायत में जोड़ा गया है, वह काफी दूरी पर है, मार्ग दुर्गम है, सड़क सुविधा नहीं है और दूरी संबंधी दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया गया है।

सरकार ने क्या दिया जवाब

राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने शीर्ष अदालत को अवगत कराया कि हाई कोर्ट द्वारा तय समयसीमा के अनुसार 31 दिसंबर 2025 तक पूरे राज्य में सीमांकन कार्य विधिवत पूरा किया जा चुका है। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग मतदाता सूची तैयार करने सहित चुनाव संबंधी प्रक्रि या आगे बढ़ा चुका है। सरकार की ओर से यह भी स्पष्ट किया कि सीमांकन में केवल दूरी ही मानक नहीं होती, बल्कि आबादी, प्रशासनिक सुविधा, सुशासन की जरूरत, कलेक्टर स्तर की रिपोर्ट और अंततः मंत्रिमंडल की स्वीकृति जैसे कई मापदंडों को ध्यान में रखकर निर्णय लिया जाता है।

पंचायत चुनाव होगी प्रभावित

राज्य की ओर से दलील दी गई कि अब सीमांकन फिर से करने पर अनेक ग्राम पंचायतों की सीमाएं बदलनी पड़ेंगी, जिससे पूरे राज्य में पंचायत चुनाव कार्यक्रम प्रभावित होगा। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर विचार करने से इंकार करते हुए उसे खारिज कर दिया और इस प्रकार हाईकोर्ट के आदेश तथा पूर्ण हो चुकी सीमांकन प्रक्रिया को बरकरार रखा। अदालत ने संबंधित ग्राम पंचायत को यह छूट दी है कि यदि पंचायत मुख्यालय के स्थान को लेकर कोई शिकायत हो, तो वह सक्षम प्राधिकारी के समक्ष आवेदन दे सकते हैं, लेकिन साथ ही यह स्पष्ट कर दिया कि न तो मुख्यालय स्थानांतरित करने और न ही पहले से निष्पादित सीमांकन को दोबारा खोलने संबंधी कोई न्यायिक निर्देश जारी किए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से राजस्थान में पंचायत सीमांकन प्रक्रिया को अंतिम रूप मिल गया है। पंचायत चुनाव संपन्न कराने की राह की आखिरी कानूनी बाधा भी दूर हो गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की शिष्टाचार भेंट

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुख्यमंत्री निवास पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुलाकात की। शर्मा से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026

फ्रॉम क्लिक्स टु केयरः कंज्यूमर-फर्स्ट तथा सेलर-फर्स्ट कल्चर से बढ़ाएं विश्वास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जेईसीसी, सीतापुरा में आयोजित राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 के तीसरे दिन मंगलवार को मुग्धा हॉल में ट्रूवर्थ वेलनेस के फाउंडर राजेश मुंदड़ा के साथ पैनल चर्चा में उद्यमियों तथा विशेषज्ञों ने उपभोक्ता प्लेटफॉर्म्स के भविष्य पर प्रकाश डाला। पैनल में मुख्य वक्ता के रूप में शिपरॉकेट के क्रॉस बॉर्डर कॉमर्स के सीईओ अक्षय गुलाटी तथा टाटा 1एमजी के संस्थापक प्रशांत टंडन शामिल हुए।

चर्चा में विशेषज्ञों ने कंज्यूमर प्लेटफॉर्म्स का भविष्य डिजिटल 'क्लिक्स' से आगे बढ़कर वास्तविक 'केयर' के रूप में परिभाषित किया। विशेषज्ञों ने कहा कि प्लेटफॉर्म्स को मात्र 'पैसिव टेक मिडिएटर' की भूमिका न निभाते हुए ग्राहकों की संतुष्टि की पूर्ण जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक विश्वास अर्जित करने के लिए कंज्यूमर-फर्स्ट तथा सेलर-फर्स्ट कल्चर बनाना जरूरी है। इसमें जवाबदेही, सम्मान और निरंतर सेवा का भी समावेश होना चाहिए। विशेषज्ञों ने कहा कि जहां 'क्लिक्स' एंगेजमेंट बढ़ाते हैं, वहीं 'केयर' कंज्यूमर रिटेंशन तथा सस्ते विकल्पों के बावजूद पेमेंट करने की इच्छा को प्रेरित करते हैं। जैसे-जैसे प्लेटफॉर्म्स का विस्तार होता है, इस 'केयर' को अपनी मजबूत स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसेस तथा सिस्टम्स के माध्यम से और आगे बढ़ाया जा सकता है। पैनलिस्ट्स का मानना था कि लगातार सफलता का पैमाना अल्पकालिक वृद्धि नहीं बल्कि कंज्यूमर का विश्वास, रिटेंशन तथा वास्तविक दुनिया में सकारात्मक प्रभाव है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व कृषि मंत्री को दी बधाई

पूर्व कृषि मंत्री डॉ. सैनी की तीन पिंड़ खजूर किस्मों को मिला भारत सरकार का पेटेंट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/टोंक। वर्षों की शोध-अनुसंधान और कृषि नवाचार के बाद पूर्व कृषि मंत्री डॉ. प्रभुलाल सैनी की ओर से विकसित स्वदेशी पिंड़ खजूर की तीन किस्में (एसटी-1, एसटी-2, एसटी-3) अब भारत सरकार की ओर से पेटेंट की गई हैं। यह कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि है, जिसने राजस्थान को देश में अग्रणी स्थिति पर स्थापित किया है। विश्व में पिंड़ खजूर की लगभग 150 किस्में और भारत में 15 किस्में पाई जाती हैं। डॉ. सैनी ने पौधे के अंकुरण से लेकर फल आने तक गहन अनुसंधान कर तीन किस्मों को विकसित किया। इसके बाद कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर, बीकानेर और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों ने इन किस्मों का परीक्षण और प्रमाणन किया। 3 किस्मों का उद्देश्य किसानों को पोषक तत्वों से भरपूर खजूर फल उपलब्ध कराना है।

देश में पहली बार स्वदेशी पोषक खजूर

यह नई किस्म राजस्थान में स्थानीय स्तर पर उगाई जा सकेगी, जिससे अब किसानों और कृषि विशेषज्ञों के लिए देश में पहली बार स्वदेशी पोषक खजूर उपलब्ध होगा। इससे अब विदेशी आयात की आवश्यकता भी कम होगी। आवां निवासी डॉ. सैनी को उनके योगदान के लिए कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर ने डॉक्टर मानद उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया है। इस उपलब्धि पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और अन्य प्रदेश पदाधिकारियों की ओर से पूर्व मंत्री डॉ. प्रभुलाल सैनी को पुष्प गुच्छ भेंटकर बधाई दी गई।

मुख्यमंत्री का आभार

अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है कि भारत सरकार द्वारा खजूर की तीन विशिष्ट किस्मों के लिए मुझे पेटेंट प्रदान किया गया है। मेरी इस उपलब्धि पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा प्रेषित शुभकामनाओं और उत्साहवर्धन के लिए मैं उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आपका यह स्नेहपूर्ण प्रोत्साहन मुझे कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में और भी बेहतर करने की प्रेरणा देता है।

उत्पादन, विपणन और आयात का अधिकार

भारत सरकार ने पौधा किस्म संरक्षण और कृषक अधिकार अधिनियम 2001 के तहत एसटी-1, एसटी-2 और एसटी-3 किस्मों के उत्पादन, विपणन, वितरण, आयात व निर्यात सहित किसी अन्य व्यक्ति को प्राधिकृत करने का अधिकार भी प्रदान किया है।अब ये तीन किस्में टिश्यू कल्चर के माध्यम से देशभर की निजी और सरकारी लैब में तैयार की जाएंगी।

विधानसभा कमेटियों के फैसले को सार्वजनिक करने को लेकर बनेंगे नियम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का सत्र 28 जनवरी से शुरू होने वाला है। इसे लेकर राज्यपाल ने नोटिफिकेशन जारी किया है। वहीं 16वें विधानसभा के पांचवें सत्र से पहले नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बयान दिया है। जिस पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने निर्देश दिया है। इसके तहत विधानसभा की सदाचार कमेटी समेत अन्य सभी कमेटियों के कामकाज को लेकर विधायक टीकाराम जूली ने महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने कहा कि

विधानसभा के अंदर बनी किसी भी कमेटी के निर्णयों को सीधे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि कमेटी के अंदर लिए गए फैसले पहले विधानसभा के पटल पर रखे जाने चाहिए, तभी उन्हें बाहर जारी किया जा सकेगा।

कमेटी के फैसले सीधे मीडिया या जनता के सामने नहीं लाया जाए

टीकाराम जूली ने बताया कि इस मामले को लेकर उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को एक आधिकारिक पत्र लिखा था। पत्र में उन्होंने कमेटी नियमों के पालन की जरूरत पर जोर दिया और सुझाव दिया कि कमेटी के निर्णयों को सीधे मीडिया या जनता के सामने नहीं लाया जाए। इस पत्र के आधार पर विधानसभा अध्यक्ष ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी कमेटियों के चेयरमैन को निर्देश जारी कर दिए हैं। अब सभी चेयरमैन बाध्य हैं कि वे कमेटी के निर्णयों को विधानसभा के पटल पर रखने के बाद ही उन्हें सार्वजनिक करें।

विधानसभा की गरिमा बनी रहेगी

इस निर्णय का मकसद विधानसभा की प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बनाए रखना और कमेटी कार्यों में अनुशासन बनाए रखना है। विधायकों का कहना है कि इससे विधानसभा की गरिमा बनी रहेगी और सभी निर्णयों पर उचित निगरानी रहेगी। यह निर्देश अब सभी कमेटियों के लिए अनिवार्य माना जाएगा और इसका पालन करना सभी कमेटी अध्यक्षों के लिए अनिवार्य होगा।

भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर की नवगठित जिला कार्यकारिणी गठित

धर्म, अध्यात्म और सामाजिक कार्यों के साथ बढ़ेगी जयपुर की राजनीति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर की नवगठित जिला कार्यकारिणी का जिला कार्यालय में ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर संगठन में नई जिम्मेदारी संभालने वाले पदाधिकारियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। सभी ने जिला अध्यक्ष अमित गोयल का गर्मजोशी से अभिनंदन किया। स्वागत समारोह के दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर खुशी साझा की, वहीं भारत माता की जय और वंदे मातरम के गगनभेदी नारों से पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति और संगठनात्मक ऊर्जा से गूंज उठा।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अमित गोयल के साथ उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के प्रति आभार व्यक्त किया। उनके मार्गदर्शन को संगठन की शक्ति बताया। अपने ओजस्वी उद्बोधन में जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि नवगठित जिला कार्यकारिणी संगठन को नई दिशा, नई सोच और नई ऊर्जा प्रदान करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में पार्टी के कार्यक्रमों, अभियानों और चुनावी तैयारियों को और अधिक मजबूती मिलेगी।

2026 में निकाय चुनाव में पार्टी जीत का परचम फहराएगी

गोयल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जयपुर शहर की राजनीति अब धर्म, अध्यात्म, आधुनिकता और सामाजिक समरसता के मूल सिद्धांतों के साथ आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 के निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी पूरी शक्ति और आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगी। पार्टी जीत का परचम लहराएगी। सरकार की 2 साल की उपलब्धि को जन-जन तक पहुंच जाएंगे उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार ने अपने 2 साल के कार्यकाल में ऐतिहासिक और जनकल्याणकारी कार्य किए हैं। सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर उसकी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाना पार्टी कार्यकर्ताओं की प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2028 में प्रदेश में पुनः भाजपा की सरकार बनेगी।

पार्टी शहर में नशा मुक्ति अभियान चलाएगी

जिला अध्यक्ष ने यह भी घोषणा की कि संगठन द्वारा सामाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए स्वप्रेरणा से नशा मुक्ति अभियान जैसे सकारात्मक सामाजिक कार्य भी चलाए जाएंगे। कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने एक स्वर में जिला अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यक्रम को वे पूरी निष्ठा, अनुशासन और परिश्रम की पराकाष्ठा के साथ सफल बनाएंगे।

देवनानी से ब्रिटेन कंजर्वेटिव पार्टी के नेता बॉब ब्लैकमैन ने की मुलाकात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ब्रिटेन की कंजर्वेटिव पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद बॉब ब्लैकमैन ने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से विधानसभा परिसर में शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात भारत और ब्रिटेन के बीच संसदीय संवाद, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा आपसी सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

मुलाकात के दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने ब्रिटिश सांसद का स्वागत करते हुए राजस्थान विधानसभा की कार्यप्रणाली, परंपराओं और आधुनिक नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजस्थान विधानसभा की स्थापत्य कला बेजोड़ है और यह देश की अग्रणी विधानसभाओं में शामिल है, जहां डिजिटल विधानसभा, ई-विधान प्रणाली, विधायकों के डिजिटल हस्ताक्षर, संविधान गैलरी, वंदे मातरम् गैलरी और कारगिल शौर्य वाटिका जैसे नवाचारों के माध्यम से लोकतंत्र को आधुनिक तकनीक व राष्ट्रीय चेतना से जोड़ा गया है।

ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने भारतीय लोकतंत्र की मजबूती और संसदीय परंपराओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और उसकी संसदीय प्रणाली वैश्विक स्तर पर एक उदाहरण प्रस्तुत करती है। ब्लैकमैन ने यह भी कहा कि भारत और ब्रिटेन की संसदीय व्यवस्थाओं में कई समानताएँ हैं और दोनों देशों के बीच अनुभवों के आदान-प्रदान से लोकतांत्रिक संस्थाओं को और सशक्त किया जा सकता है।

इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष सी.पी. जोशी, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, प्रदेश सरकार में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, मालवीय नगर विधायक कालीचरण सर्राफ, कपासन विधायक अर्जुनलाल जीनगर, आदर्श नगर विधायक रफीक खान और विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा भी उपस्थित थे।

कक्षा 1 से 5 तक बस्ते का बोझ होगा आधा!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में कक्षा एक से पांचवीं तक के बच्चों के स्कूल बैग का भार कम करने की शिक्षा विभाग तैयारी कर रहा है। नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों के लिए सत्र 2026-27 से पाठ्यपुस्तकों का वितरण दो चरणों में किया जाएगा। प्रत्येक चरण में सीमित पुस्तकों के वितरण से विद्यार्थियों के स्कूल बैग का भार वर्तमान की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो जाएगा, जिससे बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य और सीखने की क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

भार घटकर लगभग 50 प्रतिशत रह जाएगा

शासन सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग कृष्ण कुणाल ने बताया कि सत्र 2027-28 से पुस्तकों का आवंटन तिमाही आधार पर किया जाएगा। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद विद्यार्थियों पर पुस्तकों का भार और घटकर वर्तमान का लगभग 50 प्रतिशत रह जाएगा। यह पहल बच्चों के लिए पढ़ाई को बोझ नहीं, बल्कि आनंददायक अनुभव बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

यह फायदे होंगे

पुस्तक भार में कमी से विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति बढ़ेगी, सीखने में रुचि विकसित होगी और अभिभावकों की चिंता कम होगी। यह निर्णय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्य के अनुरूप है, जिसमें बच्चों पर अनावश्यक शैक्षणिक दबाव कम कर समग्र व बाल-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है।

सम्पादकीय

स्वच्छ शहर में गंदा पानी

स्वच्छता रैंकिंग में लगातार टॉप पर आने वाले इंदौर में दूषित पेयजल की वजह से हुई मौतें लापरवाही का नतीजा हैं। स्थानीय लोगों का यह आरोप बेहद गंभीर है कि पानी की क्वॉलिटी को लेकर लगातार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई। और दुर्भाग्य से इतनी बड़ी वारदात के बाद भी अदालत को दखल देकर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने का आदेश देना पड़ रहा है।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान नगर निगम की तरफ से दाखिल स्टेटस रिपोर्ट में दूषित पेयजल की वजह से केवल चार मौतें बताई गई हैं, जबकि वहीं के मेयर का कहना है कि 10 लोगों की मौत हुई और दूसरे सोर्स संख्या 15 बता रहे हैं। मौत के आंकड़ों पर बहस साबित करती है कि अब भी इस घटना से सबक लेने के बजाय लीपापोती करने का प्रयास है। दूषित पेयजल की वजह से एक भी मौत होना शर्मनाक है और यहां तो 200 से ज्यादा लोगों को हॉस्पिटल में भर्ती करना पड़ा। राज्य सरकार ने नगर निगम के आयुक्त को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, अपर नगर आयुक्त को इंदौर से हटा दिया है और प्रभारी अधीक्षण अभियंता से जिम्मेदारी वापस ले ली है। लेकिन, क्या इतना काफी है? इस तरह की 'रूटीन' कार्रवाई जिम्मेदारों को सबक नहीं देतीं, बल्कि पीड़ितों का मजाक बनाती हैं। यहां ऊपर से नीचे तक, सभी की जवाबदेही तय होनी चाहिए। इंदौर के भागीरथपुरा की घटना जरूरी नागरिक सुविधाओं की कमी की ओर भी इशारा करती है। आज भी देश में हर एक लाख आबादी पर औसतन लगभग 35 लोगों की दूषित पेयजल की वजह से जान जाती है। ग्लोबल एवरेज की तुलना में यह लगभग तीन गुना है। बेशक सरकार ने जल जीवन मिशन जैसे अभियान चलाए हैं, जिसकी बदौलत करीब 81% ग्रामीण घरों में टैप वॉटर पहुंचाने का दावा है, लेकिन अब भी सुधार की बहुत जरूरत है।

इंदौर में दूषित पेयजल से मौतों पर स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। हाई कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद भी मौतों के आंकड़ों पर लीपापोती का प्रयास जारी है। यह घटना देश में स्वच्छ पेयजल की कमी और बेहतर जल प्रबंधन की तत्काल आवश्यकता को उजागर करती है।

भारत ने 2047 तक विकसित देशों की कतार में खड़े होने का लक्ष्य रखा है, लेकिन पहले आम लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना होगा। 2050 तक भारत की आबादी 1.7 अरब तक होने का अनुमान है और तब पानी के संसाधनों पर और दबाव पड़ेगा। देश को बेहतर वॉटर मैनेजमेंट के साथ सिस्टम को सुधारने की जरूरत है, तभी इस चुनौती का सामना किया जा सकता है। इसके इतर राजस्थान प्रदेश में भी बड़े शहरों में यदा-कदा पानी के ऐसे मामले सामने आते रहे हैं। इंदौर की घटना को पूरे देश के शहरों के लिए सबक होना चाहिए। ऐसी लापरवाही जो किसी की जान पर बन आए, नहीं हो तो हम सबके लिए यह अच्छी बात होगी।

बढ़ता यात्री असंतोष और भारत की विमानन प्रणाली पर दबाव

नगेन्द्र वशिष्ठ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

यात्रियों की अधिक संख्या, सख्त कार्यक्रम और उत्पादकता की मांग का मतलब है कि अधिक लोगों को एक ऐसी प्रणाली से गुजरना पड़ रहा है, जिससे गड़बड़ी होने पर सुधार की गुंजाइश बहुत कम रह जाती है। हाल के नियामकीय परिवर्तन भी इस विरोधाभास को रेखांकित करते हैं। फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशंस (एफडीटीएल) के नए नियमों में पायलटों और केबिन क्रू के लिए अधिक उदार ड्यूटी रोस्टर और विश्राम अवधि अनिवार्य हैं।

नई दिल्ली हवाई अड्डे पर बीते दिनों एयर इंडिया एक्सप्रेस के ड्यूटी से बाहर पायलट द्वारा एक यात्री पर कथित हमले की घटना को किसी व्यक्ति के खराब आचरण का एक अलग मामला मानकर खारिज नहीं किया जाना चाहिए। इसे विमानन प्रणाली में बढ़ते परिचालन और मानव पर दबाव के संकेत के रूप में देखना बेहतर होगा। वर्ष 2021 से पिछले साल अक्टूबर तक, 36,500 से अधिक यात्री शिकायतें दर्ज की गईं। हालांकि कर्मचारियों के व्यवहार से जुड़ी घटनाएं बहुत कम हैं, लेकिन वे अक्सर उड़ान में व्यवधान, देरी या रद्द होने और कनेक्टिंग फ्लाइट छूटने जैसी स्थितियों में सामने आती हैं। भारत का विमानन क्षेत्र पहले से कहीं अधिक लोगों को यात्रा करा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है।

नागर विमानन महानिदेशालय के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि ट्रैफिक की तुलना में यात्रियों की शिकायतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, यहां तक कि उन महीनों में भी जब यात्रियों की संख्या कम होती है, ऐसी शिकायतें आती हैं। उदाहरण के लिए, अक्टूबर 2025 में यात्री शिकायत दर प्रति 10,000 पर 1.1 थी, जबकि मई में यह 0.68 थी। इससे पता चलता है कि असंतोष अब केवल भीड़ या चरम मांग का परिणाम नहीं है। बल्कि, यह बताता है कि व्यवधान होने पर उसका प्रबंधन कैसे किया जाता है।

उड़ान में व्यवधान, धन वापसी और सामान को लेकर ही ज्यादातर शिकायतें होती हैं। मौसमी दबाव से इस प्रणाली की कमियां सबसे स्पष्ट रूप उजागर हो जाती हैं। मॉनसून और सर्दियों के महीनों में खराब मौसम के कारण उड़ानें रद्द होने की संख्या बढ़ जाती है, लेकिन आमतौर पर आकस्मिक देरी या पहले हुए व्यवधानों के कारण आगे होने वाली देरी से ही यात्रियों को गुजरना पड़ता है।

औपचारिक रूप से तो 'कर्मचारी व्यवहार' के रूप में वर्गीकृत शिकायतें कुल शिकायतों का एक छोटा हिस्सा हैं, लेकिन व्यवधान के समय में अक्सर ये बढ़ जाती हैं। पायलट, केबिन क्रू और ग्राउंड स्टाफ सहित फ्रंटलाइन स्टाफ पर समय का अत्यधिक दबाव होता है, उन पर कड़ी निगरानी रखी जाती है और उनके पास सीमित आजादी होती है। वे अक्सर प्रणालीगत विफलता और यात्रियों के गुस्से के बीच अंतिम कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। हाल के वर्षों में अधिकांश श्रेणियों में एयरलाइन रोजगार में वृद्धि के बावजूद यह तनाव बढ़ा है। हालांकि, कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि का अर्थ यह नहीं है कि काम आसान हो गया है।

यात्रियों की अधिक संख्या, सख्त कार्यक्रम और उत्पादकता की मांग का मतलब है कि अधिक लोगों को एक ऐसी प्रणाली से गुजरना पड़ रहा है, जिससे गड़बड़ी होने पर सुधार की गुंजाइश बहुत कम रह जाती है। हाल के नियामकीय परिवर्तन भी इस विरोधाभास को रेखांकित करते हैं। फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशंस (एफडीटीएल) के नए नियमों में पायलटों और केबिन क्रू के लिए अधिक उदार ड्यूटी रोस्टर और विश्राम अवधि अनिवार्य हैं।

सुरक्षा में सुधार और थकान को कम करने के लिए डिजाइन किए गए ये नियम आवश्यक और लंबे समय से प्रतीक्षित हैं। लेकिन इनके लागू होने से पहले ही यह उजागर हो गया है कि एयरलाइन संचालन कितना नाजुक हो गया है। उड़ानों को रद्द करना पड़ रहा है क्योंकि एयरलाइंस शेड्यूल और क्रू की उपलब्धता को समायोजित कर रही हैं। यह इस बात की याद दिलाता है कि निवेश और योजना के बिना सुरक्षा, विश्वसनीयता और क्षमता को एक साथ अधिकतम स्तर तक नहीं बढ़ाया जा सकता। इसके अलावा, उड़ान रद्द होने, उसमें देरी होने और बोर्डिंग न हो पाने की स्थिति में एयरलाइंस को यात्रियों को सुविधाएं और हर्जाना देना होता है, जिसमें काफी लागत आती है। उदाहरण के लिए, अकेले अक्टूबर में ही सभी घरेलू एयरलाइंस ने मिलकर सुविधा व हर्जाने पर लगभग 2.51 करोड़ रुपये खर्च किए। शिकायतों के लगभग पूर्ण निपटान की दर केवल एक पहलू को ही बताती है। शिकायत के निपटान का मतलब यह नहीं है कि उसके कारणों को ठीक कर दिया गया है। हर्जाना तात्कालिक आक्रोश को शांत करता है, लेकिन इससे व्यवस्थागत कमजोरियों को दूर करने में कुछ खास मदद नहीं मिलती। जैसे-जैसे भारत का विमानन बाजार बढ़ता जा रहा है, एयरलाइंस को अनुभव प्रबंधन पर भी ध्यान देना चाहिए। इसका मतलब है सेवा की गुणवत्ता, काम करने की स्थिति और मजबूत परिचालन क्षमता को मूलभूत आधारभूत संरचना के रूप में मानना।

बच्चों पर डिजिटल भ्रम का असर

मोबाइल की गोद में पलती पीढ़ी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कभी बच्चों की दुनिया मिट्टी, खिलौनों, कहानियों और रिश्तों से बनती थी। आज वही दुनिया एक छोटी-सी स्क्रीन में सिमटती जा रही है। मोबाइल फ़ोन बच्चों के हाथ में नहीं, बल्कि धीरे-धीरे उनके मन और भावनाओं की कमान अपने हाथ में लेता जा रहा है। यह केवल तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि एक गहरे सामाजिक परिवर्तन का संकेत है।जहाँ आने वाली पीढ़ी डिजिटल सुविधा के साथ-साथ डिजिटल भ्रम में भी पल रही है।

भगवान प्रसाद गौड़
पत्रकार
@jagrukjanta.net

आज छोटे बच्चे मोबाइल को खिलौने की तरह नहीं, बल्कि सहारे की तरह इस्तेमाल करने लगे हैं। रोते बच्चे को चुप कराने के लिए स्क्रीन दिखा दी जाती है, खाना खिलाने के लिए वीडियो चला दिया जाता है और व्यस्त माता-पिता अनजाने में मोबाइल को ही बच्चे का साथी बना देते हैं। यही आदत आगे चलकर बच्चों के व्यवहार, सोच और भावनात्मक विकास को प्रभावित करने लगती है।

डिजिटल मनोरंजन से डिजिटल निर्भरता तक

» शुरुआत में मोबाइल बच्चों के लिए मनोरंजन का साधन होता है, लेकिन धीरे-धीरे यह निर्भरता में बदल जाता है। कार्टून, गेम, रील्स और एल्गोरिद्म-आधारित कंटेंट बच्चों के मस्तिष्क को त्वरित आनंद का आदी बना देते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, कल्पनाशीलता और संवाद जैसी क्षमताएँ कमजोर होने लगती हैं।

» बच्चा वास्तविक दुनिया की तुलना में आभासी दुनिया को अधिक आकर्षक मानने लगता है। उसे स्क्रीन पर मिलने वाली त्वरित खुशी वास्तविक जीवन के अनुभवों से अधिक प्रभावशाली लगने लगती है। यही स्थिति आगे चलकर एक गहरे डिजिटल भ्रम को जन्म देती है।

भावनात्मक विकास पर पड़ता असर

» बचपन केवल पढ़ाई का नहीं, बल्कि भावनात्मक परिपक्वता का भी समय होता है। माता-पिता, भाई-बहन और मित्रों के साथ संवाद से बच्चे संवेदनशीलता, सहानुभूति और सामाजिक व्यवहार सीखते हैं। लेकिन जब संवाद की जगह स्क्रीन ले लेती है, तो भावनात्मक विकास अधूरा रह जाता है।

» कई शोध संकेत देते हैं कि अत्यधिक स्क्रीन समय बच्चों में चिड़चिड़ापन, एकाग्रता की कमी, अकेलापन और आक्रामक व्यवहार बढ़ा रहा है। वे वास्तविक रिश्तों की जटिलता को समझने के बजाय डिजिटल दुनिया की सरल प्रतिक्रियाओं के आदी हो जाते हैं।

डिजिटल भ्रम और पैरासोशल जुड़ाव

» आज बच्चे केवल कंटेंट नहीं देख रहे, बल्कि डिजिटल किरदारों से भावनात्मक रूप से जुड़ भी रहे हैं। यूट्यूबर्स, गेम कैरेक्टर्स और AI-आधारित चैट सिस्टम बच्चों के लिए आदर्श और मित्र की भूमिका निभाने लगते हैं। यह जुड़ाव एकतरफ़ा होता है, जिसे पैरासोशल रिश्ता कहा जाता है।

» इस तरह के रिश्ते बच्चों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों से दूर ले जाते हैं। वे धीरे-धीरे यह मानने लगते हैं कि स्क्रीन पर दिखाई देने वाली दुनिया ही वास्तविक है। यही भ्रम भविष्य में निर्णय क्षमता और सामाजिक समझ को प्रभावित कर सकता है।

शिक्षा और ध्यान क्षमता पर प्रभाव

» मोबाइल की आदत बच्चों की पढ़ाई पर भी असर डाल रही है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता घटती है। किताब पढ़ना, प्रश्न पर सोच करना और धैर्य के साथ सीखना कठिन लगने लगता है।

» शिक्षा केवल सूचना नहीं, बल्कि संस्कार और अनुशासन भी सिखाती है। जब सीखने की प्रक्रिया भी केवल स्क्रीन-आधारित हो जाती है, तो शिक्षा का मानवीय पक्ष कमजोर पड़ने लगता है।

माता-पिता और समाज की जिम्मेदारी

» इस स्थिति के लिए केवल तकनीक को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। असल प्रश्न यह है कि हम बच्चों को तकनीक का उपयोग कैसे सिखा रहे हैं। मोबाइल बच्चों के हाथ से नहीं, बल्कि आदत से छूटना चाहिए।

» माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना होगा, उनसे संवाद करना होगा और उनके प्रश्नों को सुनना होगा। परिवार में मोबाइल-मुक्त समय तय करना, साझा गतिविधियाँ बढ़ाना और बच्चों को वास्तविक अनुभवों से जोड़ना आज की आवश्यकता है।

» स्कूलों और समाज को भी डिजिटल साक्षरता को केवल तकनीकी प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रखना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना होगा कि स्क्रीन पर दिखने वाली हर चीज़ सत्य नहीं होती और वास्तविक रिश्तों का कोई विकल्प नहीं है।

» मोबाइल अपने आप में न तो अच्छा है, न बुरा। उसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि उसका उपयोग कैसे किया जा रहा है। यदि मोबाइल बच्चों की सुविधा बने, तो वह उपयोगी है; लेकिन यदि वही उनके पालन-पोषण का माध्यम बन जाए, तो यह चिंता का विषय है।

» आज आवश्यकता है कि हम बच्चों को मोबाइल की गोद से निकालकर मानवीय रिश्तों, संवेदनाओं और वास्तविक अनुभवों की गोद में वापस लाएँ। तभी आने वाली पीढ़ी तकनीक के साथ-साथ विवेक, संवेदना और सामाजिक संतुलन भी सीख पाएगी।

आखर आखर झरे उजियार

सामाजिक बदलाव के लिए पहल ज़रूर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मेरी दृष्टि में आध्यात्मिकता से आशय है, आत्म चिंतन करते हुए जीवन में सुधार की ओर बढ़ना।

सर्व शक्तिमान ईश्वर से मेरी सिर्फ़ ये प्रार्थना है कि मैं उन बुराइयों से हमेशा दूर रहूं,जो अच्छाइयों का लिबास पहन कर आती हैं।

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

*पुलिस सेवा में रहते हुए मैंने जेलों में ध्यान सत्र चलाए, सामूहिक प्रार्थना करायी, ताकि कैदियों के मानसिक स्तर में सुधार सम्भव हो सके। मेरा मानना है कि जो कुछ भी अच्छा करो, उसे भूल जाओ। अच्छे काम आगे चल कर अच्छे परिणाम लाते हैं।

जैसे हम बीज बोयेंगे वैसे ही फल हमें प्राप्त होंगे, इसमे कोई संदेह की गुंजाइश नहीं है। मेरी दृढ़ मान्यता है कि दुआ एक ऐसी आध्यात्मिक औषधि है, जो सब तरह के संताप को हर लेती है। बस, दुआ सच्चे मन से होनी चाहिए। अनुभव से मैं कहती हूँ कि सच्ची दुआ वास्तव में असरदार होती है।

ये उम्दा विचार रखने वाली कोई और शख्सियत नहीं, वो किरण बेदी है।ये वो सेवानिवृत्त बहादुर आई। पी.एस.अधिकारी है,जिसने अपने कद से पद की शोभा को द्विगुणित कर दिया। बेदी ने 1971 में भारतीय पुलिस सेवा के लिए जो प्रपत्र भरा उसमें अपना धर्म 'मानवता' लिखा था।वो कर्मकांड में विश्वास नहीं करती। मन्दिर, मस्जिद,चर्च और गुरुद्वारे जाकर परमात्मा को शीश नवाती है। आध्यात्मिक पुस्तकें पढ़ने की उसकी गहन रुचि है।वह व्यक्ति और समाज को जड़ता से मुक्त करना चाहती है। वो मानती है कि सामाजिक बदलाव के लिए निश्चित ही पहल करनी होगी।

ओपिनियन: दिग्विजय सिंह की वैचारिक उलझनें

नर्म हिंदुत्व, आरएसएस विरोध और कांग्रेस की पहचान का संकट

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

वह कांग्रेस के वरिष्ठतम नेताओं में से एक हैं। इसके बावजूद वह समय-समय पर खुद को और अपनी पार्टी को वैचारिक विवादों में उलझा देते हैं। इससे यही संकेत निकलता है कि कांग्रेस की अपनी वैचारिक खोज की यात्रा निरंतर जारी है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य सभा सदस्य (उनका कार्यकाल इस वर्ष के अंत में समाप्त हो रहा है) दिग्विजय सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के केंद्रीय नियंत्रण और पुरस्कृत करने के ढांचे की जो तारीफ की है उसने कांग्रेस में एक बार फिर हलचल पैदा की है।

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें युवा नरेंद्र मोदी भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के चरणों में बैठे हुए हैं। सिंह ने लिखा कि यह तस्वीर बहुत प्रभावशाली है और भाजपा-आरएसएस जमीनी कार्यकर्ताओं को संगठन के भीतर मुख्यमंत्री तथा प्रधानमंत्री जैसे वरिष्ठ पद तक पहुंचने का अवसर देते हैं। उनकी एक अन्य पोस्ट जिसे भाजपा समर्थकों ने उद्धृत किया उसमें कहा जा रहा है कि उन्होंने सीधे पार्टी नेता राहुल गांधी को संबोधित करते हुए लिखा, 'जिस तरह ईसीआईएसवीईईपी (चुनाव आयोग के एक कार्यक्रम) को सुधारों की जरूरत है उसी प्रकार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को भी हमें अधिक व्यावहारिक और विकेंद्रीकृत प्रणाली की जरूरत है।'

पार्टी के कुछ सदस्यों का कहना है कि वास्तव में दिग्विजय सिंह का सवाल यह है कि आखिर कांग्रेस, भाजपा जैसी क्यों नहीं बन सकती? वर्ष2018 के मध्य प्रदेश विधान सभा चुनावों के पहले उन्होंने पैदल नर्मदा परिक्रमा शुरू की थी। 2023 के विधान सभा चुनाव के पहले उन्होंने भगवा धारण कर दतिया की पीतांबर पीठ में पूजा अर्चना की। इसके पहले वह 35 किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा में शामिल हुए जो जबलपुर के ग्वारीघाट से शुरू हुई और कैलाश धाम तक चली। यात्रा में एक लाख से अधिक लोग शामिल हुए और दिग्विजय सिंह को नंगे पैर चलते देखा गया। उन्होंने कुछ देर कांवड़ भी उठाई।

ये वही दिग्विजय सिंह हैं जिन्होंने 2010 में कांग्रेस के बुराड़ी अधिवेशन में भाजपा और आरएसएस जैसी 'फासीवादी ताकतों' पर जमकर हमला बोला था। उन्होंने कहा था, 'आरएसएस अपनी राष्ट्रवादी विचारधारा की ओट में मुसलमानों को उसी तरह निशाना बना रहा है जिस तरह 1930 के दशक में नाज़ियों ने यहूदियों को बनाया था।' उन्होंने कहा था कि आरएसएस नई पीढ़ी के मन में मुस्लिम विरोध वाली नफरत के बीज बो रहा है और यह सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने आरोप लगाया था कि आरएसएस अपने कार्यकर्ताओं को अफसरशाही और सेना में भी प्रवेश दिला रहा है। उन्होंने यह प्रश्न भी किया था कि 'आखिर क्यों मालेगांव, मक्का मस्जिद, समझौता एक्सप्रेस जैसे तमाम धमाकों में शामिल सभी लोगों का संबंध आरएसएस से ही था?' इस प्रकार उन्होंने हिंदू आतंकवाद पर प्रभावी ढंग से बहस आरंभ कर दी थी।

अपनी मजबूरियों और विरोधाभासों के बीच कांग्रेस ने इस समस्या को सलीके से दफना दिया। अकादमिक जगत के लोग और विशेषज्ञ इसे नर्म हिंदुत्व कहते हैं। पार्टी में अनुष्ठान वाले हिंदुत्व के पैरोकार भी रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे कमलापति त्रिपाठी बहुत मुखरता से हिंदुत्व के प्रतीक चिह्न धारण करते थे। कांग्रेस के मुख्यमंत्री गोविंद नारायण सिंह के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में धर्मांतरण विरोधी कानून पारित किया गया। इसका नाम था मध्य प्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 1968। इससे पहले यानी 1954 में ही कांग्रेस की राज्य सरकार ने नियोगी समिति का गठन किया था ताकि धर्मांतरण और मिशनरी गतिविधियों की जांच की जा सके। ये उदाहरण बताते हैं कि कांग्रेस में हिंदुत्व की विचारधारा मौजूद थी।

यह कांग्रेस की उस वैचारिकी की पृष्ठभूमि है जिससे दिग्विजय सिंह निकले हैं। परंतु वह एक छिपे हुए हिंदुत्ववादी या कट्टर आरएसएस विरोधी नेता भर नहीं है। 1993 से 2003 तक यानी काफी साल पहले वह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। अर्जुन सिंह के शिष्य के रूप में शुरुआत करने वाले सिंह ने उस समय कई प्रशासनिक सुधार किए जो उन पर ही भारी पड़ गए। उन्होंने 73वें संविधान संशोधन का लाभ उठाते हुए विकेंद्रीकरण और पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत किया, जिससे जिला पंचायतों के सरपंचों को स्वायत्तता और शक्ति मिली। लेकिन इससे विधायक स्वयं को शक्तिहीन महसूस करने लगे और उनकी ही पार्टी के विधायक उन पर सवाल उठाने लगे।

मध्य प्रदेश की सड़क अधोसंरचना अच्छी नहीं थी। यद्यपि सिंह ने सड़कों के लिए बजटीय प्रावधान किए, लेकिन इसका केवल एक छोटा हिस्सा वास्तविक रखरखाव पर खर्च हुआ, जबकि अधिकांश हिस्सा राज्य-स्वामित्व वाली सड़क विकास निगम के कर्मचारियों के वेतन पर चला गया। वर्ष 2000 में मध्य प्रदेश के विभाजन और छत्तीसगढ़ के गठन के बाद, 32 फीसदी बिजली उत्पादन क्षमता छत्तीसगढ़ में चली गई। मध्य प्रदेश के पास दो विकल्प थे: जल्दी से विद्युत उत्पादन बढ़ाना और छत्तीसगढ़ से बिजली खरीदना। लेकिन इस बीच, राज्य कुछ समय के लिए 50 फीसदी बिजली की कमी से जूझता रहा। किसानों और अन्य उपभोक्ता वर्गों को मुफ्त बिजली देने का वादा करने के बाद, सिंह को नाराज उपभोक्ताओं के गुस्से का सामना करना पड़ा। आश्चर्य नहीं कि 2003 में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई।

अपनी सोच में सिंह ने केवल अपने कई पूर्ववर्तियों की नकल की है, जिसके कारण विद्वान 'नर्म हिंदुत्व' की उस अवधारणा पर सवाल उठाते हैं जो संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता को सीधे तौर पर निशाना बनाए बिना उसे कमजोर करती है। एक प्रशासक के रूप में उनके पास बताने के लिए कई आधी-अधूरी सफलताएं हैं। लेकिन कांग्रेस के इतिहास में वे हमेशा केवल एक 'भड़काने वाले एजेंट' से कहीं अधिक रहेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार है)

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 07/01/2026

सूर्योदय : 07:21 **सूर्यास्त :** 17:44 **चन्द्रोदय :** 22:02 **चन्द्रास्त :** 10:12
शक सम्वत : 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत् :** 2082 कालयुक्त
अमान्ता महीना : पौष **पूर्णिमांत :** माघ **सूर्य राशि :** धनु **चन्द्र राशि :** सिंह
पक्ष : कृष्ण **तिथि :** पंचमी, 30:34 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** शिशिर
द्रिक अयन : उत्तरायण **कलियुग :** 5126 वर्ष

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : मघा, 11:56 तक
योग : आयुष्मान, 18:38 तक
प्रथम करण : कौवाला, 18:43 तक
द्वितीय करण : तैतिल, 30:34 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:26 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:53 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:12 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:37 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:40 पी एम से
अमृत काल	09:34 ए एम से
निशिता मुहूर्त	12 ए एम, जनवरी 8 से
	जनवरी 08 से 07:31 ए एम, जनवरी 08

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : मंगल, गुरु
चन्द्रवास : पूर्व

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 07:20 - 08:38	उद्वेग	: 17:44 - 19:26
अमृत	: 08:38 - 09:56	शुभ	: 19:26 - 21:08
काल काल वेला	: 09:56 - 11:14	अमृत	: 21:08 - 22:50
शुभ	: 11:14 - 12:32	चर	: 22:50 - 00:32
रोग वार वेला	: 12:32 - 13:50	रोग	: 00:32 - 02:14
उद्वेग	: 13:50 - 15:08	काल	: 02:14 - 03:56
चर	: 15:08 - 16:26	लाभ	: 03:56 - 05:38
लाभ	: 16:26 - 17:44	उद्वेग	: 05:38 - 07:20

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघड़िया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघड़िया माना जाता है।

आज पंचमी

आज कौन सा कार्य करें

पंचमी समस्त शुभ कार्यों के लिए उत्तम है परंतु इस दिन ऋण कतई नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

पौष, कृष्ण, पंचमी, 2082 बुधवार, 7 जनवरी - 13 जनवरी, 2026

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

एनआईए की कार्यप्रणाली को आयुर्वेद शिक्षा संस्थानों में भी लागू करवाने के प्रयास करेंगे-श्रीनिवास

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में मुख्य सचिव का दौरा: ओपीडी, आईपीडी व पंचकर्म सहित विभागों की ली जानकारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (मानद विश्वविद्यालय), जयपुर में राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने एकदिवसीय दौरा किया। इस दौरान संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने उनका स्वागत किया।

दौरे के दौरान कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने संस्थान में आयुर्वेद चिकित्सा, शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों, नवाचारों और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने मुख्य सचिव को संस्थान की ओपीडी, आईपीडी, पंचकर्म एवं अन्य चिकित्सकीय विभागों की कार्यप्रणाली से अवगत कराया तथा रोगियों को प्रदान की जा रही आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवाओं के साथ संस्थान द्वारा प्रकाशित जनरल ऑफ आयुर्वेद की विस्तृत जानकारी दी।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में वर्षों से स्थापित है और जयपुर की आयुर्वेदिक परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। वैद्यों की परंपरा ने आयुर्वेद को एक मजबूत पहचान दी है। उन्होंने कहा कि उनकी मंशा है कि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में अपनाई जा रही श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों (बेस्ट प्रैक्टिसेज) को राज्य के आयुर्वेद शिक्षा संस्थानों में भी लागू किया जाए, इस विषय में भारत सरकार में आयुष सचिव राजेश कोटेचा से बात की जायेगी।

दौरे के दौरान उन्होंने ओपीडी, आईपीडी और पंचकर्म विभागों का निरीक्षण किया एवं रोगियों से संवाद भी किया। मुख्य सचिव ने कहा कि भारत सरकार द्वारा अपनाई गई आयुर्वेद की श्रेष्ठ चिकित्सा पद्धतियों को राजस्थान सरकार में लागू करने का प्रयास किया जाएगा।

एकदिवसीय दौरे के दौरान मुख्य सचिव ने संस्थान में कार्यरत सभी विभागों के विभागाध्यक्षो के साथ चर्चा की ओर आमजन के हित मे आयुर्वेद के माध्यम से किये जा रहे रिसर्च प्रोजेक्टस की जानकारी ली।इस दौरे के दौरान राजस्थान आयुर्वेद विभाग के प्रमुख सचिव श्री सुबीर कुमार भी मुख्य सचिव के साथ उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने अधिक से अधिक आमजन को आयुर्वेद चिकित्सा का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्थान के विस्तार हेतु जयपुर में भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध मुख्य सचिव से किया।

सुश्री श्रीधरी दीदी द्वारा भक्ति दिवस सत्संग का जयपुर में आयोजन!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नव वर्ष एवं भक्ति दिवस के उपलक्ष्य में जगदुरु श्री कृपालु जी महाराज की प्रचारिका सुश्री श्रीधरी देवी जी द्वारा जयपुर के मानसरोवर स्थित 'हरि वन बैंक्वेट हॉल ' में विशेष सत्संग का आयोजन बीते दिनों किया गया।

जयपुर एवं आस पास के क्षेत्र के सैकड़ों साधक इस भव्य कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। सत्संग का शुभारम्भ रथयात्रा एवं हरि गुरु की आरती द्वारा हुआ। इस उपलक्ष्य में भक्ति सन्देश को प्रसारित करने के लिये आकाश में गुब्बारे भी छोड़े गए। अपने प्रवचन में दीदी जी ने बताया की इस युग के पंचम मूल जगदुरु श्री कृपालु जी महाराज ने नव वर्ष के प्रथम दिवस का नामकरण ' भक्ति दिवस ' किया है क्यूँकि भक्ति का दृढ़ संकल्प लेने में ही इस दिवस की सार्थकता है। इस दिन हमें आत्म निरीक्षण करना चाहिए की पिछले वर्ष से कितनी हमारी आध्यात्मिक उन्नति हुई है और अपनी कमियों को दूर करने के लिये पुनः दृढ़ संकल्पबद्ध होना चाहिए। प्रवचन के पश्चात् संकीर्तन, नृत्य इत्यादि सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। दीदी जी द्वारा साधकों को तिलक करके प्रसाद दिया गया। हरि गुरु के पूजन एवं भोग इत्यादि के पश्चात् साधकों ने प्रसाद ग्रहण किया।

चतुर्ग्रही और समर्पित षटतिला एकादशी में मनेगी मकर संक्रांति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सुख और समृद्धि का प्रतीक मकर संक्रांति पर इस बार दुर्लभ चतुर्ग्रही और भगवान विष्णु को समर्पित षटतिला एकादशी का भी दुर्लभ संयोग सालों बाद बन रहा है। जिससे इस दिन का धार्मिक महत्व और भी बढ़ गया है। ज्योतिषियों की मानें तो इस दिन पूजा और दान करने कई गुना पुण्य प्रदान करने वाला होता है। इस बार मकर संक्रांति14 जनवरी बुधवार को मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं जिस कारण सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं। इसी के कारण ही इस दिन को मकर संक्रांति कहा गया है। मकर संक्राति से विवाह, गृह प्रवेश और अन्य शुभ कार्यों पर लगी रोक भी समाप्त हो जाती है। भागवताचार्य का कहना है कि मकर संक्रांति के दिन दुर्लभ चतुर्ग्रही और भगवान विष्णु को समर्पित षटतिला एकादशी का भी दुर्लभ संयोग बन रहा है।

दान और पुण्य का पर्व संक्रांति

ज्योतिषाचार्य शास्त्री ने बताया कि मकर संक्रांति का पर्व दान और पुण्य का पर्व माना गया है। इस दिन हर किसी को पवित्र नदी या सरोवर में स्नान कर पूजा अर्चना करनी चाहिए। अगर ऐसा न कर सकें तो मकर संक्रांति के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर काले तिल और गंगाजल मिलाकर स्नान करना चाहिए, यदि संभव हो, तो पवित्र नदियों में स्नान करना विशेष फलदायी माना गया है। इसके बाद भगवान सूर्य देव की विधिवत पूजा-अर्चना करनी चाहिए। भगवान विष्णु को तिल के लड्डु का भोग अर्पित करें और अंत में खिचड़ी का सेवन करें। इस दिन सूर्य की उपासना का भी बहुत महत्व होता है।

शुभ मुहूर्त और पुण्य काल

पंचांग के अनुसार 14 जनवरी को दोपहर 03.13 बजे सूर्य का मकर राशि में प्रवेश होगा।
पुण्य काल : 03.13 बजे से 05.45 बजे तक
महापुण्य काल : 03:13 बजे से 04.58 बजे तक

पहला सावा 23 को बसंती पंचमी का, फिर शुक्र उदय के साथ गूंजेगी शहनाई

जयपुर। जनवरी माह में बसंत पंचमी पर इस साल का पहला सावा 23 जनवरी को रहेगा। इस दिन अबूझ सावा रहने से शादियों की धूम रहेगी लेकिन शुक्र अस्त होने के कारण अन्य दिनों में विवाह नही हो पाएंगे। लेकिन फरवरी माह में शुक्र उदय के बाद शादियों की धूम रहेगी। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि 1 फरवरी को शुक्र ग्रह के उदय के साथ ही विवाह आयोजनों की शुरुआत हो जाएगी। लेकिन 14 जनवरी तक मलमास रहेगा, इसके बाद 31 जनवरी तक शुक्र अस्त रहने से इस अवधि में विवाह के शुभ मुहूर्त नहीं है। हालाकि 23 जनवरी को बसंत पंचमी का अबूझ सावा रहेगा। फरवरी माह में सर्वाधिक शुभ तिथियां है। 19 फरवरी को फुलेरा दूज का अबूझ सावा भी रहेगा। इसके अलावा मार्च और अप्रैल में भी विवाह के मुहूर्त रहेंगे। लेकिन ज्येष्ठ माह में अधिक मास होने से विवाह पर फिर से विराम लग जाएगा। मार्च व अप्रैल में भी विवाह मुहूर्त है।

अधिक मास 17 मई से 15 जून तक रहेगा

इस बार ज्येष्ठ माह में अधिक मास लग रहा है। जो कि 17 मई से 15 जून तक रहेगा। अधिक मास को शुभ कार्यों के लिए वर्जित माना जाता है, ऐसे में मई-जून के दौरान विवाह, गृह प्रवेश व अन्य मांगलिक कार्य नहीं होंगे। इसका सीधा असर शादी-विवाह पर पड़ेगा और लोग आयोजन अप्रैल से पहले या फिर अधिक मास समाप्त होने के बाद तय करेंगे।

जयपुर मिलेट महोत्सव का तीन दिवसीय आयोजन 9 से

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मानव स्वास्थ्य का तीन दिवसीय महाकुंभ 9, 10 और 11 जनवरी को मिलेट मैन ऑफ भारत और पद्मश्री से सम्मानित डॉक्टर खादर वली और उनकी बेटी डॉक्टर सरला केइको के सानिध्य में जयपुर में होने जा रहा है। तीन दिवसीय सिरी (श्री) जीवन वैलनेस 12 पैराडाइज रिसॉर्ट, मानसरोवर (पिलर नंबर 1) में सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित हो रहा है। इसमें वैज्ञानिक आधार पर पॉजिटिव मिलेट्स का जीवन में व्यावहारिक उपयोग बताया जाएगा जिससे हम ग्लूकोज, हार्मोन असंतुलन, लाइफस्टाइल जनित रोग मोटापा, डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, थायराइड, कैंसर आदि बीमारियों से निजात पा सकते हैं। निश्चित रूप से हमारा आहार सही है तो दवा की जरूरत ही नहीं होती। बेहतर स्वास्थ्य के लिए लाइव पॉजिटिव मिलेट कुकिंग क्लास, प्रश्न- उत्तर सत्र, वॉकिंग, योग- प्राणायाम और इनसे मिलने वाले फायदो की जानकारी के अलग-अलग सत्र होंगे। सत्र का समापन 11 जनवरी को मिनट में डॉक्टर खादर अली के सत्र के साथ होगा। पंजीकरण और जानकारी के लिए 9827984767,9828014767,8209198950,9414041887,9039879080 पर संपर्क कर सकते हैं।

वार्ष्णेय खेल महोत्सव में वार्ष्णेय किंग्स विजयी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री वार्ष्णेय वैश्य स्पोर्ट्स क्लब द्वारा सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन स्पोर्ट्स ग्राउंड में खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया। क्लब के अध्यक्ष डॉ मुकेश गुप्ता ने बताया कि इस दौरान वार्ष्णेय समाज के बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, म्यूजिकल चेयर, रूमाल झपट्टा, एवं क्रिकेट में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। क्रिकेट प्रतियोगिता में वार्ष्णेय किंग्स विजयी रही और टीम को वार्ष्णेय ट्रॉफ़ी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमित शर्मा उपनियंत्रक कलेक्ट्रेट रहे एवं डॉ विनोद गुप्ता ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर फुटवाल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने पर लालचंद अग्रवाल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया। इस अवसर पर संजय वार्ष्णेय, संजीव गुप्ता, कमल गुप्ता, विक्रम गुप्ता, मुकुल वार्ष्णेय, आदर्श गुप्ता, नीरज वार्ष्णेय, गिरीश गुप्ता, विनय गुप्ता, विजय गुप्ता, शरद गुप्ता सहित कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 'इन्वेस्टर लेंस

'इन्वेस्टर लेंस- फ्रॉम अर्ली बेट्स टू स्केल' सत्र उद्यमियों के लिए पूंजी जुटाने पर हुई चर्चा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जेईसीसी, सीतापुरा में आयोजित राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 के तीसरे दिन मंगलवार को मुग्धा हॉल में आयोजित सत्र 'इन्वेस्टर लेंस- फ्रॉम अर्ली बेट्स टू स्केल' में उद्यमियों के लिए पूंजी जुटाने के विषय पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

सत्र में 121 फाइनेंस के फाउंडर डॉ. रवि मोदानी द्वारा 'आविष्कार' के विनीत राय, आईआईटी ग्रोथ अपॉर्चुनिटी फंड के मैनेजिंग जनरल पार्टनर मोहित गुलाटी तथा 'वर्लिनवेस्ट' के अर्जुन वैद्य से चर्चा की गई। इसमें उद्यमियों के लिए पूंजी जुटाने के निर्णय को गहन व्यक्तिगत और रणनीतिक प्रक्रिया के रूप में रेखांकित किया। सत्र में बताया गया कि निवेशक परिपक्वता और इरादों के मामले में काफी भिन्न होते हैं। एक बार पूंजी जुटाने के बाद संस्थापकों को निरंतर सवालों और गवर्नेंस के दबाव के लिए तैयार रहना पड़ता है। सत्र में विशेषज्ञों ने चिंता जताई कि प्रारंभिक सफलता के बाद अक्सर संस्थापकों का अहंकार महत्वाकांक्षा पर हावी हो जाता है, जिससे वे मान्यता की तलाश में स्केलिंग को स्थगित कर देते हैं। इससे विकास-केंद्रित निवेशकों का कार्य प्रभावित होता है। विशेषज्ञों ने पूंजी जुटाने के संबंध में तीन राहों 'चुने हुए स्केल पर स्थिर रहना', 'आक्रामक विकास के लिए पूंजी जुटाना' और 'सही समय पर एग्जिट करना'के बारे में बताया गया।

विशेषज्ञों ने कहा कि तनाव तब उत्पन्न होता है, जब ये विकल्प सचेत रूप से नहीं चुने जाते। इसलिए स्व-जागरूकता, उद्देश्य की स्पष्टता, मजबूत टीम और अनुशासित निष्पादन के साथ कार्यों को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। ये ही सफलता की कुंजी हैं। पैनलिस्ट ने युवा उद्यमियों को अपनी यात्रा में सोच-समझकर पूंजीगत निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया।

रामजानकी ने चखा चूरमा

जयपुर @ जागरूक जनता। सुभाष चौक चाणक्य मार्ग स्थित श्रीराम जानकी मंदिर मे माघ कृष्ण दोज पर रामचरित मानस सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया। श्री राम जानकी परिवार का विशेष श्रगार कर चूरमे बाटी का भोग लगाकर आरती की गई। कार्यक्रम में मन्दिर महंतश्री रघुनंदनदास महाराज और श्री मंगलमुखी हनुमान मंदिर के महंतश्री रामानंद दास महाराज ने सेवक राहुल मल्होत्रा की पुस्तक श्रगार रस कवित्त का विमोचन किया। रामलोचन दास,रामभजन दास, रामप्रीत दास,विजयशंकर दास, किशोरी दास आदि सभी गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने भक्ति रस व प्रसादी का आनंद लिया।

पीढ़ियों के बीच की दूरी हमेशा रही है, लेकिन स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की एंट्री के साथ इसमे नए एंगल आ गए है। जागरूक जनता ने इसी को समझने के लिए जेन जी (यानी आज के युवा) जेन एक्स (उनके मम्मी-पापा) और जेनरेशन बेबीबूमर्स (यानी उनके नाना-नानी या दादा-दादी), तीनों के कई प्रतिनिधियों के साथ कई बार अलग-अलग विषयों पर बात की। उनकी एक-दूसरे से क्या उम्मीदें है, क्या शिकायतें है और क्या गुजारिश है, ये जानने की कोशिश की। इन बातों का सार यहां पेश है।

जेनरेशन गैप की कहानी

आपकी क्या राय है हमें ई-मेल करें- jagrukjantanews@gmail.com

कुछ तुम सुनो, कुछ हम सुनें...

जेन ज़ी: हमें कोई समझना ही नहीं चाहता है

गाड़ी बुला रही है, सीटी बजा रही है...

नई दिल्ली के प्लैटफॉर्म नंबर 9 से ट्रेन छूटने को तैयार है। सुबह 11 बजे का समय था, पर 8 बजे ही प्लैटफॉर्म पर पत्नी के साथ पहुंच चुके अशोक बेचैन हैं। उनका बेटा ऋतिक जो फ्रेंड के घर से होते हुए वहां पहुंचने वाला था, अब तक नहीं आया है। 5 मिनट में ट्रेन निकलने वाली है। जैसे ही ट्रेन की पहली सीटी बजती है, उनकी सीट पर ऋतिक आ जाता है। 'कहां रह गया था? फोन भी नहीं उठा रहा था?' पापा के इस सवाल का जवाब देते हुए ऋतिक कहता है, 'क्या पापा... न्यू ईयर की छुट्टियों पर जाने से पहले अपने दोस्तों को बाय भी नहीं बोल सकता?' 'तेरे बाय बोलने के चक्कर में ट्रेन छूट जाती तो...!' पापा की बात पर ऋतिक कहता है, 'पापा चिल करो, छूटी तो नहीं न? छूट जाती तो दूसरी मिल जाती। मुझे घंटों पहले आकर प्लैटफॉर्म पर भीड़ बढ़ाने का शौक नहीं है।'

थोड़ा चिल करो, स्ट्रेस लेकर क्या मिलेगा!

बात बस इतनी-सी है। यह कहानी और पापा-बेटे के बीच की बातचीत अपने आप में सब बयां करती है कि आखिर फर्क कहां है। 21 साल के ऋतिक का साफ कहना है कि हमारे पैरंट्स लाइफ को बहुत ज्यादा सीरियस तरीके से जीते हैं। एक तरफ मेरे पापा हैं, जिनकी पूरी ज़िंदगी में एक भी ट्रेन नहीं छूटी और एक मैं हूं, जिसकी इसी साल 10 ट्रेनें छूट चुकी हैं। अरे, एक ट्रेन छूट गई तो क्या...दूसरी आएगी। आज ऑप्शन बहुत सारे हैं। उन्हें लाइफ में चिल करना चाहिए, इतना स्ट्रेस लेकर जीते हैं, क्या मिलेगा?

उनका डिसिप्लिन हमारे लिए प्रेशर

23 साल के अतुल ऋतिक की बात से कुछ इत्तेफाक तो रखते हैं, लेकिन इसे पूरी तरह गलत भी नहीं मानते। वह कहते हैं, 'पैरंट्स का डिसिप्लिन अच्छा है, लेकिन कई बार यह हमारे लिए प्रेशर बनने लगता है। सुबह जल्दी उठो, टाइम से ब्रेकफास्ट करो। अरे, अगर सुबह 5 बजे तक पढ़ाई करेंगे तो सुबह कैसे जल्दी उठ सकते है? उन्हें भी हमारी लाइफ को समझना चाहिए। अब पहले वाला वक्त नहीं रहा।'

मुसीबत में दोस्त पहले याद आएगा या पैरंट्स?

किसी मुसीबत में फंस गए और एक ही फोन करने का ऑप्शन है तो दोस्त को करेंगे या पैरंट्स को? ज्यादातर GEN-Z का जवाब था- 'दोस्त', भले ही पैरंट्स हमें ज्यादा आसानी से मुसीबत से निकाल सकें। वजह भी एक थी। उनका कहना था कि हमारे पैरंट्स किसी भी बात पर इतना ज्यादा परेशान हो जाते हैं कि पहले वे खुद को संभालेंगे या हमें? हम उन्हें तकलीफ में नहीं देख सकते।

ग्रैंड पैरंट्स तो हमारे लिए गॉन केस

ग्रैंड पैरंट्स से GEN-Z काफी खफ़ा दिखते हैं। वे कहते हैं, न तो वे हमारे कपड़ों को अच्छा मानते हैं और न हमारे खानपान को। उनकी नज़र में हमारी भाषा, हमारे घूमने-फिरने का टाइम- सब गलत है। उन्होंने जो दुनिया देखी वह अलग थी। तब टेक्नॉलजी ऐसी नहीं थी। बैंक से लेकर सिलिंडर लाने तक के काम में घंटों लगते थे। अब टेक्नॉलजी ने लाइफ आसान की है तो फायदा उठाएं।

...तो आखिर इतना टकराव क्यों?

नहीं समझते प्राइवेसी: GEN-Z प्राइवेसी को लेकर बेहद सजग है। ऋतिक कहते हैं, पैरंट्स को हमारी हर बात जाननी होती है- कहां जा रहे हैं, क्या कर रहे हैं, किससे बात कर रहे हैं। हमारी अपनी ज़िंदगी है। वे न हमारी प्राइवेसी समझते हैं, न अपना 'मी टाइम', बस कमाना और जोड़ना। ज़िंदगी कब एंजॉय करेंगे?

सिर्फ खुद को ही सही समझना गलत: अतुल कहते हैं कि पैरंट्स को लगता है कि उन्होंने हमसे ज्यादा दुनिया देखी है। हां, यह सही है, लेकिन हमें भी इंटरनेट ने इतना स्मार्ट बना दिया है कि सही-गलत समझते हैं। जानते हैं कि करियर में क्या करना है, जरूरी नहीं है कि पैरंट्स हमें डॉक्टर बनाना चाहें तो हम तैयार हो जाएं।

हम बस इतना चाहते हैं

पैरंट्स से
- ज्यादा सीरियस न हो, लाइफ इंजॉय करें।
- हमसे प्यार करने से पहले खुद से करें।
- सोशल मीडिया को समय दें, ट्रैंड जानें।
- हर चीज मे दखल देने की आदत बदलें।
- घूमने-फिरने के लिए समय निकालें।
- नए-नए फूड आइटम्स को टेस्ट करें।
- हमारी हॉबी और हमारे मूड को समझें।

ग्रैंड पैरंट्स से
- हर बात पर न टोकें, बदलाव समझें।
- टेक्नॉलजी का ज्यादा यूज करें और अवेयर हो कि क्या चल रहा है?
- जाति-धर्म की बातों से ऊपर उठें।
- अपने सोशल सर्कल में होने वाली बातों को हम पर थोपना बंद करें।
- यह समझें कि हर नई चीज खराब नहीं।

हम बदलाव को तैयार
- हम जरूरत से ज्यादा सोशल मीडिया को समय देते है, इसे कम करना होगा।
- हमारे अंदर पैरंट्स जैसा डिसिप्लिन नहीं, सीखने की कोशिश करते हैं।
- हम सेंसेटिव तो है लेकिन सीरियस कम। शायद हमें भी पैरंट्स की तरह थोड़ा सीरियस होना होगा।

पैरंट्स: हमारी कोई सुनना ही नहीं चाहता है

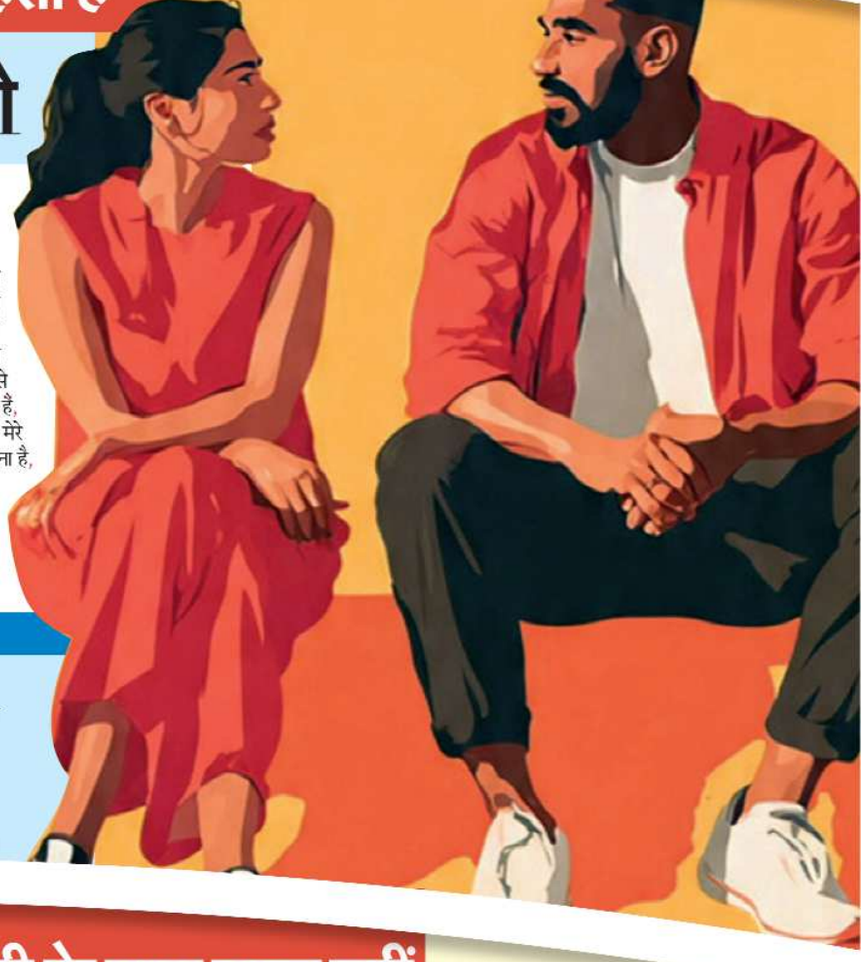

बेटा, जब पचपन के हो जाओगे तो बचपने की बातें नहीं करोगे

GEN-Z से पहले और ग्रैंड पैरंट्स के बाद एक ऐसी पीढ़ी है जो दोनों ही पीढ़ियों से तालमेल बैठाने की कोशिश करती है। वह दोनों के बीच का पुल भी है और दोनों को संभालने की जिम्मेदारी भी उस पर है। साथ ही है, जॉब और बिज़नेस का स्ट्रेस। ट्रेन छूटने की बात को इतनी आसानी से कहने वाले ऋतिक के पिता अशोक कहते हैं कि पैसे पेड़ पर नहीं उगते। कमाने पड़ते हैं, कड़ी मेहनत से, कितने लोगों की बातें सुनते हैं। जब वह मेरी तरह 55 साल का होगा तो बचपने की बातें छोड़ देगा।

सबको एक तराज़ू में रखना गलत

अशोक की बात पर राजेश कहते हैं कि सबको एक तराज़ू में नहीं रखा जा सकता। सभी GEN-Z एक जैसे नहीं होते। मेरा बेटा मेरी तरह टाइम से चलता है। बच्चे कैसा व्यवहार करते हैं, यह काफी हद तक परवरिश पर निर्भर करता है। तो क्या अच्छी परवरिश ही सब तय कर देती है? राजेश की बात पर अशोक सवाल उठाते हैं और कहते हैं, आज वे हमसे कम, सोशल मीडिया और अपने दोस्तों से ज्यादा सीखते हैं। हर बात को परवरिश से जोड़ देना क्या सही होगा?

हमारे लिए भी तो समय बदला है

आज के पैरंट्स अपने माता-पिता को लेकर यही सोचते हैं कि अब समय बदल गया है। वह दौर नहीं रहा जब स्कूल जाने के लिए 5 किमी पैदल जाते थे। आज जॉब और बिजनेस ने इतना ज्यादा बिज़ी कर दिया है कि सच में एक साथ तीन पीढ़ियों का एक टेबल पर खाना खाना मुश्किल हो गया है। ऊपर से पसंद की बात अलग है। कपड़े, खाने, घूमने-फिरने की आदतों को देखें तो तीनों पीढ़ियों में काफी अंतर है। उन्हें समझना होगा कि अब लाइफ वैसी नहीं रही जैसी 1960 या 1970 में थी।

बेटे का फोन देखना हमारी चिंता, प्राइवेसी कहां छीनी?

एक MNC में HR रितिका बताती है, 'बेटा एक-दो दिन से गुमसुम था। कई बार पूछने पर भी वजह नहीं बताई। कहता था- 'मूड ठीक नहीं है।' रात में उसके सोने के बाद मोबाइल उठाया और उसका कोड डालकर अनलॉक किया। उसकी चैट पढ़ी। इसे GEN-Z की भाषा में भले ही प्राइवेसी छीनना कहेंगे, लेकिन यह एक मां की चिंता है, जो पूरी तरह से जायज़ है। वह कई बातें दोस्तों से शेयर करता है, मुझसे नहीं। ऐसे में उसकी चैट पढ़कर ही पता चला कि क्या परेशानी है। हम अपने माता-पिता से कभी यह नहीं कह सकते थे कि हमारा मूड ठीक नहीं है, बात करने का मन नहीं है। अगर कभी यह कहते तो पिटाई हो जाती।'

पैरंट्स से ज्यादा फ्रेंड्स पर भरोसा कहां तक है सही?

रितिका और उनके जैसे तमाम पैरंट्स को आज यही चिंता रहती है कि बच्चे कहीं किसी गलत रास्ते पर न चले जाएं। ऐसा न हो उसे कोई परेशानी हो जो उसे अंदर ही अंदर खाए जाए। आखिर GEN-Z पैरंट्स से ज्यादा फ्रेंड्स से अपनी बातें जो शेयर करते हैं। रितिका कहती हैं, 'पैरंट्स की चिंता जायज़ है और यह हमारा प्यार ही है। हमें हमारे पैरंट्स ने ऐसे ही बड़ा किया है। हम उनसे सब शेयर करते थे। यह बात हमारे बच्चों को समझनी चाहिए। हमसे ज्यादा अपने फ्रेंड्स पर भरोसा करना सही नहीं। हम हमेशा उनका अच्छा ही चाहते हैं। इस बात को वे अभी नहीं तो तब समझेंगे जब उनके बच्चे होंगे।'

अपनी जेब देखकर ही कर सकते हैं मदद

एक इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रफेसर आदित्य कहते हैं, 'आज के बच्चों के लिए ब्रैंड बहुत मायने रखता है। उन्हें महंगे रेस्तरां में खाना पसंद है। 300 रुपये की ब्लैक कॉफी पिएंगे जो घर पर गर्म पानी में दो रुपये के पाउच से भी बन सकती है। उनकी जायज़ मांगें ठीक हैं, लेकिन सब कुछ दिला पाना मुमकिन नहीं। मेरे बेटे ने कहा कि उसे जापान से VFX सीखना है, लेकिन उसे यह नहीं पता कि वहां रहना, उस कोर्स को करना कितना ज्यादा महंगा है। सोशल मीडिया ने अवेयरनेस के साथ इच्छाएं भी इतनी बढ़ा दी हैं कि सबको पूरा करना पैरंट्स के बस में नहीं।'

हम बस इतना चाहते हैं

बच्चों से
- मोबाइल और सोशल मीडिया को ही पैरंट्स न मान लें।
- दोस्तों की तरह हमसे भी बातें शेयर करें, सब नहीं बता सकते तो जरूरी बातें तो जरूर शेयर करें।
- अपनी लाइफ को लेकर थोड़ा सीरियस हो, ज़िंदगी इंस्टाग्राम और फिल्मों जैसी नहीं होती।
- समय की कीमत को समझें, आलस छोड़ें।

पैरंट्स से
- बदलाव को समझें और उसे अपनी लाइफ में अपनाएं।
- हर नई चीज को खराब कहना बंद करना होगा।
- अपने सोशल सर्कल से बाहर निकलें।
- हमें अपनी परेशानी बताएं।

हम बदलने को तैयार
- हम बच्चों को कंट्रोल करने की कोशिश करते हैं, इस व्यवहार को बदलने की जरूरत है।
- बच्चे स्मार्ट हैं, उन्हें अपनी ज़िंदगी की दिशा चुनने देना होगा। हम बस समझा सकते हैं, उन पर बातें थोपना गलत है।

ग्रैंड पैरंट्स: हमारी सुनने के लिए किसी के पास वक्त नहीं

मूल से ज्यादा ब्याज प्यारा, पर उनके पास हमारे लिए वक्त कहां

यह पीढ़ी उस दौर की है, जब मोहल्ले में एक घर में टीवी होता था। एक छोटे-से कमरे में 12-15 लोग बैठ जाते थे। ऐसा सोशल सर्कल कि पोस्टमैन चिट्ठी देने आए तो उसे किस पते पर भेजना है एक बार में बता दें। आज यह पीढ़ी अपने बच्चों और ग्रैंड चिल्ड्रन से काफी दूर हो गई है। छोटे शहरों में तो फिर भी एक घर में तीन पीढ़ियां दिख जाती हैं, लेकिन मेट्रो सिटीज में ऐसा बहुत मुश्किल है। यहां तक कि प्राइवेसी के लिए वे पैरंट्स के घर के बगल में ही दूसरा घर ले लेते हैं।

अगर एक घर में हैं तो भी सब साथ नहीं रहते

जब तक गरीबी थी, तब तक ठीक था। पैसा आता गया, बच्चे दूर होते गए। यह कहना है उन ज्यादातर सीनियर सिटीजंस का जिन्होंने खुद को गांव से शहर, एक कमरे के घर से चार कमरों के फ्लैट में शिफ्ट होते देखा है। 74 साल के सुरेश बिंदल कहते हैं, 'आज एक फ्लैट में चार रूम हैं तो चारों में टीवी है, लेकिन शायद ही किसी के पास देखने का वक्त हो। बच्चे बिज़नेस और जॉब में बिजी हैं तो उनके बच्चे पढ़ाई व मोबाइल में। हमारे लिए किसी के पास समय ही नहीं। हमें मूल से ज्यादा ब्याज यानी ग्रैंड चिल्ड्रन प्यारे हैं, पर वे हमारे पास आते कब हैं?'

हमारी ही गलतियां हैं, जिनसे आया इतना बड़ा बदलाव

72 साल के सुरेश मित्तल कहते हैं, 'कुछ गलतियां हमारी हैं, कुछ हमारे बच्चों की जिनसे आज अपने ग्रैंड चिल्ड्रन में इतना बड़ा बदलाव देख रहे हैं। हमने बच्चों वह सब देने की कोशिश की जो वे चाहते थे। हमारे पास पैसा आता गया, हम उन्हें पैपर करते गए। हम 5 किमी पैदल स्कूल जाते थे, पर बच्चों को कॉलेज जाने के लिए बाइक दिलाई। आज ग्रैंड चिल्ड्रन को स्कूल बस लेने आती है तो उसे भी सोसाइटी के गेट पर छोड़ने जाते हैं। हम प्रिंसिपल और टीचर की मार खाते थे, लेकिन आज टीचर डांट दे तो बच्चे या उनके पैरंट्स ही पुलिस बुला लेते हैं। जब बच्चों में टीचर्स की डांट सुनने की आदत ही नहीं डाली तो वे पैरंट्स की डांट कैसे सुनेंगे?'

क्रेडिट पर चलने वाली पीढ़ी हमें समझाएगी!

डीयू से रिटायर 81 साल की पूर्व प्रफेसर इंदु खन्ना कहती हैं, 'ट्रेन छूट गई तो दूसरी मिल जाएगी, यह बात वह पीढ़ी कह रही है जिसकी लाइफ क्रेडिट पर चलती है। हम पहली सैलरी से ही बचत शुरू कर देते थे, कम से कम 10 फीसदी। आज की पीढ़ी 20 से 30 फीसदी क्रेडिट पर रहती है। 30 हजार रुपये की जॉब करते हैं, क्रेडिट कार्ड पर 20 हजार रुपये की कॉन्सर्ट की टिकट लेते हैं, सिर्फ इसलिए कि फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर कर खुद को कूल दिखा सकें। यह पीढ़ी हमें तो न बताए कि हमें कैसे जीना है!' एक कॉलेज की पूर्व प्रिंसिपल 73 साल की डॉ. अंजलि गुप्ता कहती हैं, 'जिसे आप GEN-Z कह रहे हैं, उसमें बिलकुल भी स्वाभिमान नहीं है। पैसे मांगने आ जाएंगे, बिना यह देखे कि सही जगह खर्च कर रहे हैं या नहीं।

बर्बादी भी लाया है बदलाव

74 साल के भरत भूषण गुप्ता कहते हैं, 'आज के बच्चों को प्राइवेसी चाहिए। सबकुछ अपनी पसंद से करना है। हमने तो उनके शादी-ब्याह के मामलों में बोलना छोड़ दिया है, लेकिन यह भी देखिए कि आज तलाक के केस कितने बढ़ गए हैं। हम अपने माता-पिता की सुनते थे। मैं यह नहीं कहता कि आज भी सब कुछ वैसा ही चले, लेकिन कोई भी फैसला सोच-समझकर ही लेना चाहिए।'

हम बस इतना चाहते हैं

बच्चों से
- थोड़ा समय हमारे लिए निकालें।
- रोज नहीं तो कम से कम महीने, दो महीने में हम सब साथ खाना खाएं।
- हमारे ग्रैंड चिल्ड्रन को हमारे पास छोड़ें।
- हमें इस उम्र में क्या चाहिए ये उन्हें खुद समझना चाहिए, हम उनसे कुछ भी मांग नहीं सकते, हम माता-पिता है।

ग्रैंड चिल्ड्रन से
- बस हमारे पास बैठें, बातें करें।
- अपने स्कूल-कॉलेज और दोस्तों, जिस भी चीज पर बात करना चाहते हैं, करें।
- अगर वे हमसे रिस्पेक्ट चाहते हैं तो उन्हें हमें भी रिस्पेक्ट देनी चाहिए।
- अपना मोबाइल फोन छोड़कर हमारे पास आएं, तब होगी आपस की बातें।

हम उन्हें समझने को तैयार
- हम मानते है कि हम उनकी तरह फास्ट नहीं, लेकिन इस उम्र में बहुत बदलाव भी तो संभव नहीं।
- हम टेक्नॉलजी, मोबाइल उनकी तरह सीखना चाहते है, लेकिन क्या वे हमें सिखाने को तैयार है?

Disclaimer: कोई भी दो शख्स एक जैसे नहीं होते- न उनकी सोच, न आदतें। इसलिए किसी पूरी पीढ़ी को एक नज़र से देखना सही नहीं है, चाहे वह Gen-Z (1997 से 2012 के बीच जन्मी पीढ़ी) हो या उनके पैरंट्स और ग्रैंड पैरंट्स। Gen-Z के भीतर ही अर्ली Gen-Z (1997 से 2006 में जन्मे) और लेट या टिपिकल Gen-Z (2007 से 2012 में जन्मे) की आदतों और बर्ताव में फर्क दिखता है। फिर भी कुछ बातें समान होती हैं, जिनमें बदलाव और नई सोच को अपनाने से पीढ़ियों की दूरियां कम की जा सकती हैं। यह भी जान लें कि हर पुरानी चीज अच्छी नहीं और हर नई खराब नहीं होती।

जागरूक खबरें

बीजासण माता के रोप-वे का भूमिपूजन 15 को

इंद्रगढ़ @ जागरूक जनता। बीजासन माता मंदिर पर रोप वे बनाने के लिए 16 करोड़ रुपए का डीपीआर तैयार हुआ। रोपवे निर्माण कार्य मलमास के बाद 15 जनवरी से भूमि पूजन के साथ शुरू होगा। राज्य सरकार की बजट घोषणा में बनने वाले रोप वे का भूमि पूजन जनवरी में होगा। रोप वे में बनने के बाद एक साथ 72 श्रद्धालु बीजासन माता के दर्शन करेंगे। 12 ट्रॉलियां लगाई जाएगी। आवश्यकता हुई तो बाद में 24 ट्रॉलियां तक लगा सकते हैं। एक ट्रॉली में 6 श्रद्धालु बैठकर बीजासन माता मंदिर पर जा सकेंगे। रोपवे बनने के बाद बीमार श्रद्धालु, बुजुर्ग, दिव्यांग सहित अन्य श्रद्धालु ऊपर पहाड़ी पर स्थित बीजासन माता के दर्शन आसानी से कर सकेंगे।

आयुर्वेद विवि जोधपुर एवं आईसीएमआरनीरएनसीडी जोधपुर के बीच एमओयू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं राष्ट्रीय असंचारी रोग कार्यान्वयन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर (नीरएनसीडी), जोधपुर के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

यह एमओयू डॉ एस आर राजस्थान आयुर्वेद विश्व विद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल एवं आईसीएमआर-नीरएनसीडी के निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) पंकज भारद्वाज की उपस्थिति में किया गया। यह एमओयू आगामी पाँच वर्षों के लिए किया गया है, जिसके अंतर्गत दोनों संस्थान मेडिकल हेल्थ रिसर्च, सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद के क्षेत्र में संयुक्त रूप से अनुसंधान, प्रशिक्षण, छात्र एवं संकाय आदान-प्रदान तथा संयुक्त परियोजनाओं पर कार्य करेंगे। इस सहयोग से गैर-संचारी रोगों, पोषण एवं आयुष आधारित उपचार पद्धतियों पर अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा तथा विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को आधुनिक सुविधाओं एवं विशेषज्ञ मार्गदर्शन का लाभ प्राप्त होगा।

डेयरी क्षेत्र में उद्यमिता की ओर बढ़ाएंगे कदम, रोजगार के लिए होंगे सशक्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर (जयपुर) के संगठक महाविद्यालय दुग्ध विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर के बी.टेक. डेयरी टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत छह माह का अनिवार्य औद्योगिक प्रशिक्षण देश के चयनित एवं प्रतिष्ठित डेयरी संयंत्रों में प्रदान किया जाएगा, यह प्रशिक्षण 5 जनवरी 2026 से 30 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा।

महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बी. एल. जाट ने बताया कि औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों को कक्षा में अर्जित अकादमिक ज्ञान को वास्तविक औद्योगिक वातावरण में व्यवहारिक रूप से लागू करने का अवसर प्रदान करता है। इससे छात्रों में तकनीकी दक्षता, व्यावसायिक समझ एवं उद्योग-उन्मुख कौशल का विकास होता है, जो उन्हें डेयरी उद्योग की वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने में सक्षम बनाता है। डॉ. जाट ने कहा कि गुजरात एवं राजस्थान के प्रतिष्ठित डेयरी संयंत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर विद्यार्थी न केवल रोजगार के लिए दक्ष बनेंगे, बल्कि डेयरी क्षेत्र में उद्यमिता की दिशा में भी सशक्त कदम बढ़ाएंगे। प्रशिक्षण प्रभारी इंजीनियर अरविंद कुमावत ने जानकारी दी कि कुल 37 विद्यार्थियों को देश के 09 प्रमुख डेयरी औद्योगिक प्रतिष्ठानों–बनास डेयरी, पालनपुर; सरहद डेयरी, कच्छ; आनंद अमूल डेयरी (गुजरात); सरस डेयरी, जयपुर; डी.एस. ग्रुप, रिंगस; रूफील डेयरी, जयपुर (राजस्थान) सहित अन्य प्रतिष्ठित डेयरी इकाइयों में औद्योगिक प्रशिक्षण हेतु आवंटित किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण अवधि के दौरान विद्यार्थियों को दूध संग्रहण, प्रोसेसिंग, पाश्चुरीकरण, होमोजेनाइजेशन, विभिन्न दुग्ध उत्पादों के निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग, कोल्ड चेन प्रबंधन तथा आधुनिक डेयरी प्लांट मशीनरी के संचालन एवं रखरखाव का व्यापक व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। इसके साथ ही, डेयरी संयंत्रों में अपनाई जाने वाली स्वच्छता, सुरक्षा मानकों एवं प्रबंधन प्रक्रियाओं की भी विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर डॉ. उर्मिला चौधरी, डॉ. भूपेंद्र कसवां, डॉ. अरुण प्रताप सिंह, डॉ. पारुल, डॉ. विनीता चौहान सहित महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव-2026 में प्रदेश स्तरीय महिला उद्यमी सम्मेलन का भव्य आयोजन

जब महिला नेतृत्व होता है, तब उद्योग, व्यापार नहीं, समाज परिवर्तन का माध्यम बनता है

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। जिला प्रशासन, लघु उद्योग भारती, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र तथा उद्यम प्रोत्साहन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव-2026 के अंतर्गत प्रदेश स्तरीय महिला उद्यमी सम्मेलन का गरिमामय आयोजन किया गया। सम्मेलन की मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी रहीं। उन्होंने सम्मेलन को महिला नेतृत्व, स्वावलंबन और औद्योगिक सशक्तिकरण की दिशा में निर्णायक कदम बताते हुए कहा कि जब उद्यमिता की कमान महिलाओं के हाथ में होती है, तब अर्थव्यवस्था के साथ-साथ समाज भी सशक्त होता है।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जोधपुर की गौरवशाली धरती पर आयोजित इस सम्मेलन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण में लघु, कुटीर एवं हस्तशिल्प उद्योगों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पर्यावरण-संरक्षण, स्वदेशी को बढ़ावा और स्थानीय कलाकारों-व्यापारियों को मंच देने वाले ऐसे आयोजनों से टिकाऊ औद्योगिक वातावरण विकसित होता है। उन्होंने महिला उद्यमियों को वित्तीय संस्थाओं से जोड़कर ऋण उपलब्ध कराने, उत्पादों के विपणन, हस्तशिल्प प्रदर्शनियों, संसाधन उपलब्धता, प्रशिक्षण, नई तकनीकों और योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक बनाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी–सफलता की गारंटी है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना में महिला नेतृत्व निर्णायक है। राजस्थान केवल भौगोलिक प्रदेश नहीं, बल्कि विचार, संस्कृति और उद्यमशीलता की परंपरा है, जहाँ हर जिले-गाँव का कोई न कोई उत्पाद महिलाओं के परिश्रम और सपनों से जुड़ा है। उन्होंने रेखांकित किया कि आज की नारी सहायक नहीं, बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका में खड़ी है–जो परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए अवसर सृजित करती है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, पीएम विश्वकर्मा योजना और स्वयं सहायता समूह जैसी पहलों ने महिलाओं को आर्थिक प्रगति की मुख्यधारा में लाया है। वहीं राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नीति-स्थिरता, प्रशासनिक पारदर्शिता और उद्योग-अनुकूल वातावरण तेज़ी से विकसित हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राईजिंग राजस्थान निवेश, नवाचार और महिला नेतृत्व के लिए तैयार राज्य का संदेश है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता महिलाओं को सरल ऋण सुविधा, कौशल विकास, प्रशिक्षण, सुरक्षा-स्वास्थ्य, डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना और उनके उत्पादों को 'लोकल टू ग्लोबल' पहुँच दिलाना है। उन्होंने महिला उद्यमियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप कमजोर नहीं, संभावनाओं से भरी हैं। आपका आत्मविश्वास राजस्थान की पहचान और आपका परिश्रम भारत की शक्ति है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाला समय महिला उद्यमिता का स्वर्ण युग होगा और राजस्थान पर्यटन-संस्कृति के साथ-साथ उद्योग और महिला नेतृत्व में भी देश का अग्रणी राज्य बनेगा। इस अवसर पर सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मेवाड़-मारवाड़ के बीच 968 करोड़ से बिछ रही रेल लाइन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। मेवाड़ और मारवाड़ को जोड़ने वाला वर्षों पुराना सपना अब हकीकत बनने के करीब है। मावली जंक्शन-मारवाड़ जंक्शन रेलखंड में नाथद्वारा से देवगढ़ मदारिया तक 82 किलोमीटर लंबी ब्रॉडगेज रेलवे लाइन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। अब तक 60 प्रतिशत कार्य हो चुका है। इस प्रोजेक्ट में 968 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह बहुप्रतीक्षित परियोजना इस वर्ष के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है। जिसके साथ ही मेवाड़ को पहली बार मारवाड़ और पश्चिमी राजस्थान से सीधा ब्रॉडगेज रेल संपर्क मिल जाएगा।

पश्चिमी राजस्थान से सीधे जुड़ेगा मेवाड़

ब्रॉडगेज लाइन के देवगढ़ तक पहुंचते ही उदयपुर, जयपुर, जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर जैसे प्रमुख शहरों तक सीधी रेल यात्रा संभव हो जाएगी। इससे छात्रों, व्यापारियों, मरीजों और आम यात्रियों को समयबद्ध, सुविधाजनक और किफायती आवागमन मिलेगा। साथ ही क्षेत्रीय व्यापार, रोजगार और राजस्व गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

पर्यटन को लगेंगे पंख, अर्थव्यवस्था होगी मजबूत

इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभ पर्यटन क्षेत्र को मिलने वाला है। अब तक सीमित परिवहन सुविधाओं के कारण देवगढ़, टाटगढ़, आमेट और आसपास के ऐतिहासिक व प्राकृतिक पर्यटन स्थल अपेक्षित विकास से वंचित थे। ब्रॉडगेज रेललाइन के जुड़ते ही ये क्षेत्र देशभर के पर्यटकों के लिए आसानी से सुलभ हो जाएंगे। इसका सीधा असर होटल उद्योग, ट्रैवल व्यवसाय, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार और सेवा क्षेत्र पर पड़ेगा। साथ ही कृषि उत्पादों को बड़े बाजारों तक तेजी से पहुंचाने के नए अवसर खुलेंगे।

प्रयागा नन्द जी सरस्वती महाराज के विचार

बदले की आग मशाल की तरह दूसरों से पहले स्वयं को जलाती है

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। हमारा जीवन दूसरों से ज्यादा स्वयं की दृष्टि में श्रेष्ठ एवं पवित्र होना चाहिए। केवल किसी के बुरे कहने मात्र से हमारा जीवन बुरा नहीं बन जाता है। किसी से बदला लेने का नहीं अपितु स्वयं को बदल डालने का विचार ज्यादा श्रेष्ठ है। महत्वपूर्ण ये नहीं कि दूसरे हमको गलत कहते हैं अपितु ये है कि हम स्वयं गलत नहीं करते हैं। बदले की आग मशाल की तरह दूसरों से पहले स्वयं को ही जलाती है। सहनशीलता के शीतल जल से जितना शीघ्र हो सके इस बदले की आग को रोकना ही बुद्धिमत्ता है। बदले की भावना हमारे समय को ही नष्ट नहीं करती अपितु हमारे स्वास्थ्य और जीवन तक को नष्ट कर जाती है। दुनिया को बदल पाना बड़ा मुश्किल है इसलिए स्वयं को बदलने में ही अपनी ऊर्जा को लगाना सुखी एवं आनंदमय जीवन का एक मात्र उपाय है।

श्री प्रयागा नन्द सरस्वती महाराज
श्री अमरनाथ महादेव चेतन गुफा डंडाली

'चंबल' पर 256 करोड़ की लागत से बनेगा थ्री लेन पुल, कोटा-बूंदी के बीच कनेक्टिविटी होगी मजबूत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

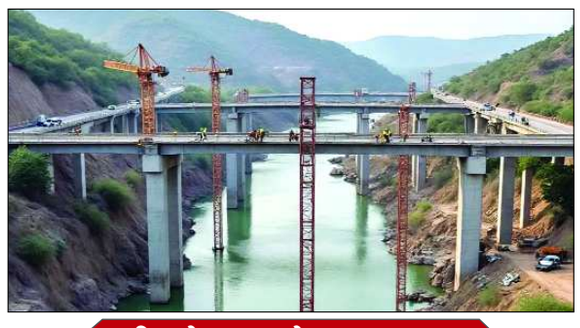

कोटा। इटावा क्षेत्र के गोठडा गांव के पास 256 करोड़ की लागत से चंबल नदी पर तीन लेन के हाई लेवल ब्रिज का निर्माण होगा। यह पुल कोटा जिले में चंबल ढीबरी से बूंदी जिले के चांणदा खुर्द के बीच में बनेगा।

पुल निर्माण के लिए राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने क्लीयरेंस दे दी है। विभाग द्वारा पुल निर्माण के लिए निविदा जारी कर दी। साथ ही भूमि अवाप्ति के सम्बन्ध में गजट अधिसूचना जारी कर दी गई है। जानकारी के अनुसार पुलिया निर्माण की घोषणा 4 वर्ष पहले हुई थी, लेकिन वन विभाग की स्वीकृति नहीं मिलने से कार्य रूका हुआ था।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के हस्तक्षेप के चलते इसे एनवायरमेंट क्लीयरेंस मिली है। यह पुल चंबल-घड़ियाल अभयारण्य में इंद्रगढ़-ललितपुर राज्य मार्ग-120 पर बनेगा। जिसे राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति ने मंजूरी दे दी है। सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा भूमि अवाप्त करने की कार्यवाही के बाद पुल निर्माण शुरू होगा। पुल बनने के बाद कोटा जिले के इटावा-पीपल्दा क्षेत्र ही नहीं बारां जिले को भी फायदा होगा।

तीन लेन का बनेगा पहला पुल

इस पुल के निर्माण से कोटा जिले के चंबल ढीपरी गांव से बूंदी जिले के चांणदा खुर्द को जोड़ा जाएगा। बारां जिले और कोटा जिले के पीपल्दा से दिल्ली की तरफ यात्रा करने के लिए दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे का उपयोग करना भी आसान हो जाएगा। लोग सीधे लाखेरी और इंद्रगढ़ के नजदीक इंटरचेंज पर एक्सप्रेसवे को पकड़ सकेंगे। बूंदी जिले के लाखेरी और इंद्रगढ़ क्षेत्र की आबादी को भी कोटा आने में काफी आसानी होगी।

जयपुर जाने वालों की राह भी होगी आसान

जयपुर जाने वाले यात्रियों को भी एक और सीधा रूट मिल जाएगा। जानकारी के अनुसार भूमि अवाप्ति का पूरा पैसा सक्षम अधिकारी को ट्रांसफर हो गया है। जिनमें कोटा के इटावा और सवाई माधोपुर के खंडार एसडीएम खंडार दोनों को पैसा चला गया है। इटावा की तरफ 3.95 हैक्टेयर भूमि आ रही है। खंडार की तरफ 2.55 हैक्टेयर जमीन है। यहां करीब 25 फीसदी काम हो गया है।

भूमि अवाप्ति के संबंध में गजट अधिसूचना जारी

अधिशासी अभियंता हेमराज चौधरी ने बताया कि सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा कोटा-बूंदी के बीच चम्बल नदी पर इन्द्रगढ़, ढीबरी चम्बल, रजोपा, इटावा, शहनावदा, ललितपुर सड़क स्टेट हाइवे 120 पर ग्राम गोठका कलां में चम्बल नदी पर हाई लेवल ब्रिज निर्माण के दौरान भूमि अवाप्ति के संबंध में गजट अधिसूचना जारी कर दी गई है।

जिले में रोजगार पकड़ेगा रफ्तार, पेट्रो जोन में रीको की भूखंड आवंटन योजना से निवेश को मिला बढ़ावा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। जिले में औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से रीको की औद्योगिक भूखंड प्रत्यक्ष आवंटन योजना के तहत उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।

इकाई प्रभारी कुलदीप दाधीच ने जानकारी देते हुए बताया कि औद्योगिक क्षेत्र बोरावास कलावा प्रथम चरण (राजस्थान पेट्रो जोन) में अब तक 11 औद्योगिक भूखंडों का सफलतापूर्वक आवंटन किया जा चुका है। इसके अलावा तीन अन्य भूखंडों के लिए आवेदकों को ऑफर लेटर जारी कर दिए गए हैं, जिससे आने वाले समय में इन इकाइयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने बताया कि बोरावास कलावा प्रथम चरण में ही 11 भूखंडों के लिए कुल 13 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिन पर आवंटन की प्रक्रिया फिलहाल जारी है। आवेदनकर्ताओं की जांच और अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद इन भूखंडों का भी शीघ्र आवंटन किया जाएगा। इसके साथ ही जिले के अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी प्रत्यक्ष आवंटन योजना के तहत कुल 15 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन किया जा चुका है। रीको के अनुसार, अब तक किए गए इन सभी आवंटनों से कुल 67.69 एकड़ भूमि पर लगभग 43 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव है। निवेश से जिले में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना संभव होगी। अनुमान है कि इन परियोजनाओं के शुरू होने से लगभग 700 लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

कोटा में आचार्य धीरेंद्र शास्त्री करेंगे श्रीराम कथा, तैयारियां हुई तेज

कोटा @ जागरूक जनता। बागेश्वर धाम के आचार्य पंडित धीरेंद्र शास्त्री जिले के रामगंजमंडी आएंगे। रामगंजमंडी में 23 से 25 जनवरी तक श्रीराम कथा होगी। श्रीराम कथा के लिए तैयारियां तेज हो गईं हैं। राम कथा गौमाता महोत्सव के लिए 100 बीघा में कथा पंडाल और 400 बीघा में वाहन पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। कथा स्थल जाने वाले सभी मार्ग खुले रहेंगे।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

रेलवे जंक्शन विवाद : सांसद का विरोध तेज, रेल मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

पिण्डवाड़ा में ही जंक्शन की मांग को लेकर निकाली वाहन रैली

2016-17 के सर्वे का हवाला, स्वरूपगंज शिफ्ट करने के आरोप

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। जिले में रेलवे जंक्शन को लेकर चल रहा विवाद बीते दिनों एक बार फिर सड़क पर दिखाई दिया। पिण्डवाड़ा में ही रेलवे जंक्शन बनाने की मांग को लेकर पिण्डवाड़ा क्षेत्रवासियों ने विशाल वाहन रैली निकाली। यह रैली पिण्डवाड़ा से शुरू होकर सिरोही शहर में प्रवेश करते हुए सिटी क्षेत्र, मुख्य बाजारों से गुजरती हुई जिला कलेक्ट्रेट पहुंची। रैली में बाइक, कार, टैक्सी, टेम्पो सहित सैकड़ों वाहन शामिल रहे, वहीं बड़ी संख्या में आमजन का हुजूम उमड़ पड़ा।

रैली के दौरान क्षेत्रवासियों ने एक स्वर में पिण्डवाड़ा में ही रेलवे जंक्शन बनाए जाने की मांग दोहराई। लोगों का कहना है कि वर्ष 2016-17 में रेलवे जंक्शन को लेकर सर्वे पिण्डवाड़ा नगर के लिए ही किया गया था, इसके बावजूद अब राजनीतिक दबाव और प्रभावशाली लोगों के इशारे पर जंक्शन को स्वरूपगंज शिफ्ट करने की साजिश रची जा रही है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सांसद के खिलाफ जमकर नारेबाजी

रैली के दौरान जालौर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी देखने को मिली। प्रदर्शनकारियों ने सांसद पर स्वरूपगंज के पक्ष में खड़े होने का आरोप लगाते हुए "हाय-हाय" के नारे लगाए। लोगों का कहना था कि जनभावनाओं के विपरीत जाकर यदि निर्णय थोपने का प्रयास किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

रैली के जिला कलेक्ट्रेट पहुंचने पर रेल मंत्री के नाम जिला कलेक्टर के प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से मांग की गई कि रेलवे जंक्शन पिण्डवाड़ा नगर में ही बनाया जाए। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि पिण्डवाड़ा भौगोलिक, सामाजिक और व्यावसायिक दृष्टि से जंक्शन के लिए अधिक उपयुक्त है, साथ ही यहां पहले से हुए सर्वे को नजरअंदाज करना न्यायसंगत नहीं है।

भाजपा नेताओं पर साधा निशाना

ज्ञापन सौंपने के दौरान हुई सभा में वक्ताओं ने भाजपा नेताओं पर जमकर निशाना साधा। वक्ताओं ने कहा कि जनता की भावनाओं का अनादर किया जा रहा है और जनहित के बजाय "धनाढ्य सेठों" और प्रभावशाली लोगों के इशारों पर फैसले लिए जा रहे हैं। नेताओं पर तानाशाही रवैया अपनाने और सत्ता के नशे में आमजन की आवाज को दबाने के आरोप लगाए गए।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

Jagruk Janta World
R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758 | डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta
जयपुर, बुधवार
7 जनवरी - 13 जनवरी, 2026
जागरूक दुनिया
08 जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net

सनातन संस्कृति में अनेक व्यवस्थाएं हैं। जिन्हें आत्मसात किसी भी तरह से किया जा सकता है। जागरूक जनता के प्रधान संपादक शिवदयाल मिश्रा और उर्मिला मिश्रा इसी व्यवस्था के अनुरूप माँ नर्मदा की पैदल परिक्रमा कर रहे हैं। इस यात्रा का दूसरा चरण पूरा हो चुका है। आगे की यात्रा जारी है.... उनसे फोन पर हुई बात के आधार पर यह संस्मरण आपके लिए...

नर्मदा परिक्रमा : आधा सफर पूरा

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
jagrukjanta.net

जागरूक जनता @ जीवन संरचनाओं से भरा होना चाहिए। आत्मिक, आध्यात्मिक और चेतना अपने में संलिप्त होनी चाहिए। इसी के अनुरूप व्यक्ति अपने आपको चैतन्य रख पाता है। जन्म लेना, जीवन यापन करना, मृत्यु को प्राप्त करना ये एक अलौकिक नैसर्गिक व्यवस्था है। इससे मृत्यु लोक के सभी जीवों को गुजरना ही है। इसके विपरित जीवन को चैतन्य करना एक आसान और सरल प्रक्रिया है। इसी कड़ी में हम बात कर रहे हैं 3700 किलोमीटर लम्बी माँ नर्मदा यात्रा पर चल रहे माँ और पिताजी की। सामाजिकता और आध्यात्मिकता के पर्याय पिताजी शिवदयाल मिश्रा और धार्मिक मूर्ति का उदाहरण माँ उर्मिला देवी की यह नर्मदा परिक्रमा एक धार्मिक यात्रा है। उनकी इस यात्रा का आधा सफर लगभग पूरा हो चुका है। उनका कहना है कि यह यात्रा हिन्दू धर्म के अनुयायियों के बीच बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें प्रमुख तीर्थस्थल यात्रा करने के आदर्श होते है, जिनमें अमरकंटक, महेश्वर, ओंकारेश्वर, उज्जैन, अनूपपुर, नेमावर, महाकालेश्वर, आमरकंटक, दूध धारी, गुजरात के दक्षिणी क्षेत्र, नर्मदेश्वर, गरुड़ धारा, बांदा, गुआरेश्वर, शिवनद, भरुच आदि शामिल हैं। यह यात्रा विशेष रूप से मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात में होती है। नर्मदा परिक्रमा के दौरान लोग अपने धार्मिक और आध्यात्मिक आदर्शों को मानते हैं और नर्मदा नदी के पवित्र जल में स्नान करते हैं। पिताजी ने बताया कि नर्मदा माई के भक्त महाराज श्री शिवानन्द जी महाराज के अनुसरण में हमने यात्रा आरम्भ की है। उनका कहना है कि नर्मदा परिक्रमा एक यात्रा नहीं बल्कि आत्मा का पुनर्जन्म है। वैसे इस यात्रा को कई जगह से शुरू कर सकते है। यह यात्रा 3700 किलोमीटर की होती है। अखंड नर्मदा माई की यात्रा 3700 किलोमीटर की यात्रा जहां से शुरू होती है। वहीं समाप्त किया जाता है। अंत में भगवान ओंकारेश्वर महाराज को जल चढ़ाया जाता है। वैसे यह यात्रा 3 साल की भी होती आ रही है। यह यात्रा 13 साल 3 माह की भी होती है। कुछ लोग 108 दिन में भी पूरी करते है। उनका कहना है कि वैसे इस यात्रा को अनेक स्थानों से शुरू कर सकते है। लेकिन, दो जगह भी है जहां से इसकी शुरुआत होती है। यहां लोग अकसर अमरकंटक या ओंकारेश्वर से शुरू करते है। अमरकंटक से भी शुरुआत करेंगे तो भगवान ओंकारेश्वर के जल चढ़ाने आना ही पड़ेगा। इसलिए कई लोग ओंकारेश्वर से इसे यात्रा की शुरुआत करते हैं।

पूरी परिक्रमा लगभग 3500 किमी लंबी होने का अनुमान है। नदी की लंबाई 1312 किमी है जिसे दो से गुणा करने पर 2624 किमी आता है और बांधों और अन्य कारणों से बहुत सारे मोड़ हैं जिनके कारण तीर्थयात्रियों को घूमकर लंबा रास्ता तय करना पड़ता है। इन सबको मिलाकर, तय की जाने वाली कुल दूरी 3500 किमी. से 3700 किमी के बीच आती है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि कोई व्यक्ति कौन सा रास्ता लेता है।

पिताजी का कहना है कि हम दोनों (पिताजी और माँ) ने 7 नवंबर, 2025 को मध्य प्रदेश के खातेगाँव के पास नर्मदा तट पर बसे गाँव बीजलगाँव से यह यात्रा शुरू की। यहां महाराज जी के निर्देशन में पूजा-अर्चना के साथ मुंडन करवाकर पारंपरिक रूप से यात्रा का आरम्भ किया। यात्रा में किनारे के लोग हम जैसे तीर्थयात्रियों को भगवान या पवित्र नदी का रूप मानते हैं और उन्हें खाना और रात में रहने की जगह देकर उनकी देखभाल करते हैं। हमने माँ नर्मदा के नाभिकुंड स्थल नेमावर में यात्रा का दूसरा चरण पूरा कर लिया है। यहां दो सहायक नदियों को पार किया और अनेक संतों के दर्शन किए। यहां मौसम ठंडा है। हम किनारों पर है। परिक्रमा मार्ग के गांवों के स्थानीय लोगों के व्यवहार के बारे में कहा जाए तो ऐसा लगता है कि हम यह नहीं कह पायेंगे शायद हम इनसे पहली बार मिले हो। यहां के लोगों का व्यवहार इतना मृदुभाषी होता है वे हम तीर्थयात्रियों को देवतुल्य मानते हैं। उनकी सेवा को अपना धर्म समझते हैं।

शूलपाणि

शूलपाणि की झाड़ियाँ नर्मदा नदी के किनारे, खासकर गुजरात और मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में, एक घना, दुर्गम और आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण जंगली क्षेत्र है, जो अपनी कठिन चढ़ाई, घने जंगल और भील बस्तियों के लिए जाना जाता है, जहाँ नर्मदा परिक्रमा के यात्री अक्सर कठोर अनुभव और आत्म-साधना का सामना करते हैं, जो इसे एक आध्यात्मिक यात्रा का प्रतीक बनाता है। शूलपाणी झाड़ी लगभग 220 किलोमीटर लंबी पहाड़ी बड़वानी जिले से प्रारंभ होकर महाराष्ट्र और गुजरात सीमा से होकर गुजरती है। शूलपाणी कांटेदार वृक्ष और जल मां नर्मदा का झरने व कुएं के रूप में ऐसी पहाड़ी है जहां पर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। फिर भी हमारे प्रारंभिक प्रजाति आदिवासी भील आज भी अपने पूर्णता प्रारंभिक अवस्था में जीवन गुजार रहे हैं। 600 -700 ऊंची पहाड़ी पर झोपड़ी बनाकर रहते हैं। जहां एक बार ऊपर चढ़ना आज के आधुनिक मानव को हार्टअटैक दे सकता है। वही ये लोग दिन में 20 बार उतरते चढ़ते हैं। भोजन के नाम पर ज्वार बाजरा मक्का बस एक वक्त की रोटी की भी निश्चित पता नहीं नहीं होता किंतु भाव एक मैसेज आधी खिलाने के रखते हैं। लाइट नहीं है। टेलीविजन और आधुनिक दुनिया से दूर सदियों से निवास कर रहे हैं। झाड़ी पार करते-करते.. शारीरिक, मानसिक और आत्मा की मथानी की तरह मथने वाला मंथन हमारी भौतिक दुनिया से पूर्णतया दूर कर देते हैं....शून्य की स्थिति में ला देता है। दुर्गम, कठिन विशेष जहां माई की उपस्थिति चैतन्य होती है.. आत्मा की झंकार से एक ही आवाज निकलती है..सारी प्रकृति इसी मां का साकार स्वरूप है। यात्रा जारी है। नर्मदे हर...।

नर्मदा एक परिचय

नर्मदा एक पवित्र नदी है जो मध्य भारत की मैकाल पहाड़ियों में अमरकंटक नामक स्थान से निकलती है। परिक्रमा एक संस्कृत शब्द है जो 'परि' जिसका अर्थ है चारों ओर और 'क्रम' जिसका अर्थ है चलना, से बना है। और इसलिए, नर्मदा परिक्रमा का अर्थ है नदी की परिक्रमा करना। यह हिंदुओं की सदियों पुरानी एक आध्यात्मिक/धार्मिक परंपरा है जिसमें तीर्थयात्री नदी के किनारे किसी भी बिंदु से नर्मदाजी का जल एक बोतल में इकट्ठा करके चलना शुरू करते हैं और नदी को अपने दाहिनी ओर रखकर चलते हैं। अगर कोई व्यक्ति उत्तरी किनारे से शुरू करता है, तो वे अमरकंटक में नदी के उद्गम स्थल तक ऊपर की ओर चलते हैं, उद्गम स्थल से आगे पार करते हैं, दक्षिणी किनारे पर आते हैं और दक्षिण गुजरात में उस बिंदु तक नीचे की ओर चलते हैं जहाँ नदी समुद्र से मिलती है। यहाँ से, तीर्थयात्री लगभग चार से सात घंटे के लिए एक बड़ी नाव में सवार होकर पार करते हैं और मीठी तलाई नामक स्थान पर उत्तरी किनारे पर वापस पहुँचते हैं। यहाँ से, तीर्थयात्री फिर से ऊपर की ओर चलना शुरू करते हैं और उसी बिंदु पर वापस आते हैं जहाँ से उन्होंने शुरू किया था। यात्रा के अंत में, तीर्थयात्री अत्यंत पवित्र ओंकारेश्वर जाते हैं जो 12 'ज्योतिर्लिंगों' में से एक है और एक नदी द्वीप भी है जिसका मतलब है कि परिक्र मा के दौरान कोई व्यक्ति इस बिंदु पर नहीं जा सकता। चलने के नियमों में से एक यह है कि कोई भी व्यक्ति नदी पार करके दूसरे किनारे या बीच में नहीं जा सकता। ओंकारेश्वर में, तीर्थयात्री वह पानी वापस डाल देते हैं जो उन्होंने यात्रा शुरू करते समय एक बोतल में इकट्ठा किया था और परिक्र मा पूरी करते हैं।

बियानी कॉलेज में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ

जयपुर @ जागरूक जनता। बियानी गर्ल्स कॉलेज एवं बियानी लॉ कॉलेज की एनएसएस इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रक्षा फाउंडेशन के प्रमुख विनम्र जैन तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सुधीर कुमार (साइबर एक्सपर्ट, साइबर सिक्योरिटी नॉर्थ जयपुर) मौजूद रहे। आयोजक संस्था के निदेशक डॉ. संजय बियानी सहित रक्षा फाउंडेशन की टीम तथा प्रदीप कुमार व हरी राम (वीडीएन थाना के प्रतिनिधि) भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में एनएसएस के उद्देश्यों एवं कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान विनम्र जैन एवं उनकी टीम द्वारा आगामी पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर बर्ड सेफ्टी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। वहीं, साइबर एक्सपर्ट सुधीर कुमार ने छात्राओं को साइबर सुरक्षा से जुड़े आवश्यक तथ्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रमाकांत गौतम, डॉ. कनुप्रिया शर्मा एवं डॉ. सोनम रतनू ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भारतीय वन सेवा2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की मुख्य सचिव से मुलाकात

जयपुर @ जागरूक जनता। भारतीय वन सेवा-2024 बैच (राजस्थान कैडर) के सात प्रशिक्षु अधिकारियों ने मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अपनी अनोखी जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध राजस्थान में वृहत मरुस्थल के साथ ही वन क्षेत्र की भी पर्याप्तता है, यहां विश्व विख्यात अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान न केवल दुर्लभ प्रजातियों का संरक्षण करते हैं, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण संतुलन को भी बनाए रखते हैं। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि भारतीय वन सेवा के अधिकारी होने के नाते आप स्वयं पर विश्वास रखते हुए युवा सोच और नवीन विचारों के साथ कार्य करें तथा प्रदेश की अमूल्य वन संपदा के संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान एक ऐसा प्रदेश है, जहाँ इस सेवा के दौरान अधिकारियों को ग्रामीण एवं शहरी–दोनों क्षेत्रों में कार्य करने का व्यापक और बहुआयामी अनुभव प्राप्त होता है।

राजीविका एवं बयरफुट कॉलेज, तिलोनीया के मध्य एमओयू

'सोलर दीदी' प्रशिक्षण एवं आजीविका सशक्तिकरण पर रहेगा फोकस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) एवं Accept कॉलेज, तिलोनीया (अजमेर) के मध्य मंगलवार को एक गैर-वित्तीय समझौता ज्ञापन (ख्प) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू नेहा गिरि, राज्य मिशन निदेशक, राजीविका एवं सौम्या किदाम्बी, निदेशक एवं सीईओ, बयरफुट कॉलेज (Social Work and Research Centre – SWRC) के मध्य संपन्न हुआ।

यह कार्यक्रम श्रेया गुहा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास विभाग की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस अवसर पर पुष्पा सत्यानी, सचिव, ग्रामीण विकास विभाग एवं प्रीती सिंह, परियोजना निदेशक (प्रशासन), राजीविका भी उपस्थित रहीं। साथ ही राज्य परियोजना प्रबंधक एवं राजीविका के अन्य अधिकारीगण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस समझौते का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को "सोलर दीदी" के रूप में प्रशिक्षित कर उन्हें समुदाय-स्तरीय सौर मरम्मत एवं अनुरक्षण तकनीशियन के रूप में सशक्त बनाना है।

इस पहल के अंतर्गत राजीविका के स्वयं सहायता समूह नेटवर्क से चयनित महिलाओं को बयरफुट कॉलेज, तिलोनीया में 40 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कक्षा-आधारित शिक्षण के साथ-साथ उपकरण संचालन, सुरक्षा प्रशिक्षण, वायरिंग, ट्रबलशूटिंग, प्रिवेंटिव मेंटेनेंस तथा फील्ड एक्सपोज़र को शामिल किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सौर प्रणालियों की दीर्घकालिक कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के साथ-साथ महिलाओं के लिए स्वच्छ ऊर्जा आधारित आजीविका के अवसरों को सुदृढ़ करना है।

यह सहयोग घरेलू एवं सामुदायिक सौर प्रणालियों के अनुरक्षण तंत्र को मजबूत करेगा तथा पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना सहित विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के अंतर्गत स्थापित सौर अवसंरचना के प्रभावी उपयोग, समयबद्ध मरम्मत सेवाओं एवं ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देगा। प्रशिक्षण उपरांत प्रशिक्षित "सोलर दीदियों" को पंचायतों, सामुदायिक संस्थानों एवं ग्रामीण परिवारों से जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे, जिससे उन्हें स्वरोजगार एवं सेवा-आधारित आय के अवसर प्राप्त हो सकें।

राजीविका का कहना है कि यह समझौता महिला सशक्तिकरण, स्वच्छ ऊर्जा आधारित आजीविका सृजन तथा समावेशी ग्रामीण विकास के प्रति दोनों संस्थाओं की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है और ग्रामीण राजस्थान में सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

जयपुर बनेगा टेक हब, केंद्रीय रेल मंत्री की बड़ी घोषणा

राजधानी में स्थापित होगा आधुनिक AI डेटा सेंटर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में चल रहे डिजिफेस्ट-टाई ग्लोबल समिट 2026 का आज यानी मंगलवार को समापन है। इसके आखिरी दिन रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने VC के माध्यम से मेहमानों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के भविष्य को लेकर कई बाते बताई. उन्होंने कहा कि AI आज की सबसे बड़ी जरूरत है। वह एक 'नई बिजली' की तरह है। उन्होंने आगे कहा कि कहा कि जिस तरह बिजली के रूप में ऊर्जा देश के हर घर तक पहुंची, उसी तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी हर व्यक्ति, हर घर और हर उद्योग से आने वाले समय में जुड़ेगा। यदि हम AI का सही तरीके से उपयोग करे और इसे अपने जीवन में सावधानी से शामिल करें, तो इससे देश की प्रगति में तेज़ी मिलेगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि जल्द ही जयपुर में AI डेटा सेंटर खुलने वाला है।

सस्ती और सुलभ तकनीक का रोडमैप हो रहा है तैयार

अश्विनी वैष्णव ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में AI को विकसित करने के लिए एक स्पष्ट और दूरदर्शी विजन दिया है। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में ठोस रोडमैप तैयार किया गया है. जिससे टेक्नोलॉजी सस्ती, सुलभ और हर नागरिक तक पहुंच सके।

जयपुर में खुलेगा AI डेटा सेंटर

कैबिनेट मंत्री ने वर्जुअल संबोधन के दैरान राजस्थान के लिए दो बड़ी घोषणाएं कीं, जो राज्य के तकनीकी और आर्थिक ढांचे को बदल देंगी। जिसमें पहली घोषणा जयपुर में एक अत्याधुनिक एआई डेटा सेंटर स्थापित करने की है जो जल्द ही किया जाएगा, जो तकनीकी विकास और डेटा स्टोरेज का हब बनेगा। दूसरी लघु उद्योगों (MSME) के क्षेत्र में युवाओं को बढ़ावा देने की है। जिसके तहत 5,000 युवाओं को सीधे स्किल ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

10 लाख युवाओं को मिलेगी AI की ट्रेनिंग

वैष्णव ने जोर दिया कि इस नई क्रांति के लिए हमारे युवाओं को तैयार करना सबसे बड़ी चुनौती है। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने देशभर के 10 लाख युवाओं को एआई और नई तकनीकों में प्रशिक्षित करने का अभियान शुरू किया है। उन्होंने विशेष रूप से IIT जोधपुर के रिसर्च कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान AI के क्षेत्र में बेहतरीन काम कर रहा है।

देश की नीतिगत चर्चा के लिये नेशनल कॉन्फ्रेंन्स

समागम व्यापार, उद्योग नीतियों पर दो दिवसीय चर्चा 10 से

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल अपनी गवर्निंग बॉडी एवं कार्यकारिणी के साथ देश के विभिन्न प्रांतों के प्रतिनिधियों का समागम व्यापार एवं उद्योग नीतियों की चर्चा हेतु कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब ऑफ राजस्थान, जयपुर में शनिवार व रविवार को दो दिवसीय सम्मेलन करने जा रहा है। वोकल फोर लोकल तथा स्थानीय उत्पाद, स्थानीय व्यापार और स्थानीय पर्यटन को लेकर अहम निर्णय लेने की ओर देश का व्यापारी समाज अग्रसर है।

स्थानीय उत्पादों को मिलें मंच एवं नयी पहचान; पारम्परिक व्यापार को आधुनिक प्रतिस्पर्धा के लिये तैयार करना; संस्कृति, विरासत और व्यापार तीनों का समन्वय हो; एमएसएमई के लिये अवसर, संरक्षण और विकास के लिये नये रास्ते कैसे खोजे जायें; ई-कॉमर्स के प्रभाव और स्थानीय बाजारों की वास्तविक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए कानून बनाय जायें; लघु एवं मध्यम उद्यमी के लिये एकमात्र स्थायी बाजार ही समाधान है; लोक संस्कृति, हस्तशिल्प और पर्यटन स्थलों से रोजगार के अवसर किस तरह खोजे जायें; जीएसटी व उपभोक्ता मामलात के मुद्दों तथा मण्डी शुल्क पर एक राष्ट्रीय नीति का संरक्षण कैसे हो; पर चर्चा हो। एफएसएसएआई के मानकों को लेकर विस्तृत चर्चा की जायें तथा ऐसे सुझाव जिन्हें प्रस्ताव में परिवर्तित कर नीति निर्धारण के लिये केन्द्र सरकार को समय और परिस्थिति के अनुसार कानून बनाने के लिये सुझाव दिये जायें। भारत के सभी 28 प्रान्तों से पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य करीब 400 डेलीगेट्स सहित राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ एवं भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल राजस्थान द्वारा आयोजित इस महासम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता ने बताया कि विभिन्न विषयों पर इस दो दिवसीय कॉन्फ्रेन्स में उद्योग तथा व्यापार नीतियों के संबंध में विस्तृत चर्चा कर केन्द्र सरकार द्वारा बनाये गये कानूनों में व्यावहारिक संशोधन प्रस्तावित किये जायेंगे। आने वाले सभी डेलीगेट्स के लिये कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान, होटल ओम टॉवर एवं स्वास्तिक होटल, पोलोविक्ट्री पर ठहरने की व्यवस्था की गयी है।

पीएम-कुसुम में मार्च तक विकसित करें 3 हजार मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं

राजस्थान विकेन्द्रित सौर ऊर्जा का हब बनकर उभरा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने कहा कि किसानों को सस्ती एवं सर्वसुलभ सौर ऊर्जा से जोड़ने की दृष्टि से पीएम-कुसुम योजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने राजस्थान डिस्कॉम्स को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में इस योजना के क्रियान्वयन को और गति प्रदान करते हुए आवंटित लक्ष्यों को चरणबद्ध रूप से हासिल करने की कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि मार्च-2026 तक 3 हजार मेगावाट की परियोजनाएं विकसित की जाएं।

मुख्य सचिव ने शासन सचिवालय में पीएम-कुसुम योजना तथा विद्युत वितरण निगमों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में विगत समय में राजस्थान विकेन्द्रित सौर ऊर्जा का हब बनकर उभरा है। कुसुम कम्पोनेंट-ए में सर्वाधिक क्षमता की विकेन्द्रित सौर परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। वहीं कम्पोनेंट-सी में राजस्थान देश में दूसरा अग्रणी राज्य बन गया है। डिस्कॉम्स दोनों ही घटकों में प्रदेश को सिरमौर बनाने का लक्ष्य निर्धारित करने के लक्ष्य के साथ जुटें। मुख्य सचिव ने प्रसन्नता व्यक्त की कि योजना के माध्यम से आज प्रदेश में 1 लाख 75 हजार किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली सुलभ हो रही है और प्रदेश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसके जरिए प्रदेश के सौर ऊर्जा क्षेत्र में 40 हजार करोड़ का निवेश होने जा रहा है जो कि निश्चय ही अभूतपूर्व उपलब्धि है। मुख्य सचिव ने कहा कि कम्पोनेंट-ए में भारत सरकार द्वारा आवंटित 5250 मेगावाट तथा कम्पोनेंट-सी में 5367 मेगावाट के स्वीकृत लक्ष्यों पर आगे बढ़ते हुए दोनों घटकों में कुल 10 हजार 634 मेगावाट क्षमता के बिजली खरीद अनुबंध सम्पादित किए जा चुके हैं। उन्होंने इन परियोजनाओं को स्थापित करने पर जोर दिया। मुख्य सचिव ने कम्पोनेंट-सी में केन्द्रीय वित्तीय सहयोग के लिए केन्द्र सरकार के स्तर पर उचित समन्वय करने के निर्देश दिए ताकि सौर परियोजनाएं विकसित करने वाले किसानों तथा डवलपरों को सहायता सुलभ कराई जा सके। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा अजिताभ शर्मा ने मुख्य सचिव को आश्वस्त किया कि निचले स्तर तक बेहतर मॉनीटरिंग से निर्धारित लक्ष्यों को हासिल किया जाएगा। प्रमुख सचिव कृषि मंजू राजपाल ने योजना के घटकबी की प्रगति के बारे में बताया। राजस्थान डिस्कॉम्स की चेयरमैन आरती डोगरा ने बताया कि दो वर्ष में जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगम द्वारा कुसुम योजना में धरातल पर काम किया गया है।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा

गरीब के 1 रूपए के हक में से 85 पैसे खाने वाले मचा रहे है हाय–तौबा- मदन राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष द्वारा 'विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन' (वीबी–जी रामजी) के नाम को लेकर किए जा रहे विरोध पर कड़ी प्रतिकिया दी। राठौड़ ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस को राम नाम से ही आपत्ति है, भाजपा ने रोजगार और आजीविका मिशन में विकसित भारत जोड़ते हुए नया कानून बनाया, तो इसमें विपक्ष को ऐतराज नहीं होना चाहिए। योजनाओं के नाम तो कांग्रेसियों ने स्वयं ने बदला और अपने एक ही परिवार के लोगों को खुश करने के लिए उनके नाम से योजनाएं शुरू कर दी। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम योजना का नाम राजीव गांधी ने जवाहर रोजगार योजना किया, फिर मनमोहन सरकार ने नरेगा और मनरेगा किया। इतना ही नहीं, कांग्रेस ने आवास योजना का नाम ग्रामीण आवास योजना से बदल कर इंदिरा आवास योजना कर दिया, ग्रामीण विद्युतीकरण योजना का नाम राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना कर दिया, इन्होंने हर योजना में गांधी–नेहरू परिवार का नाम जोड़ने का काम किया, करीबन 600 योजनाओं के नाम इन कांग्रेसियों ने बदले, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसी भी योजना का नाम अपने या किसी के नाम पर जोड़ने की बजाए सेवा, सनातन से जोड़ने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजभवन को लोकभवन, राजपथ को कर्तव्य पथ, रेसकोर्स रोड को लोक कल्याण मार्ग और प्रधानमंत्री कार्यालय को सेवा तीर्थ नाम करने का काम किया है। मोदी ने भारतीय दंड संहिता को भारतीय न्याय संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता करने का काम किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश के कांग्रेस सांसदों द्वारा सांसद निधि द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सूरजेवाला के पुत्र के निर्वाचन क्षेत्र में स्वीकृत करने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस के सांसदों ने अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए सांसद निधि का बेजा इस्तेमाल किया। यह उनकी क्षेत्र की जनता के साथ धोखाधडी है। उन्होंने कहा कि सांसद निधि जनता को राहत देने के लिए है, ना कि आकाओं को खुश करने और उनके कृपा पात्र बने रहने के लिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि वीबी–जी रामजी के माध्यम से 125 दिन की रोजगार गारंटी मिलेगी, वहीं पहले 100 दिन की मिलती थी। पहले कार्य या तो कागजों में होते थे, या बिना जरूरत के किए जाते थे, अब ग्राम सभा गांव के विकास के लिए काम को तय करेगी और उसके आधार पर जल संरक्षण संबंधित कार्य, बुनियादी ढ़ांचा विकसित करने, आजीविका सरंचना निर्माण और आपदा से लड़ने की तेयारियों के काम किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कानून के माध्यम से ना केवल साल में 125 दिन अधिक काम मिलेगा, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा, पैसा सीधा लाभार्थी के खाते में जाएगा। राजीव गांधी ने स्वयं स्वीकार किया था कि एक रूपए केंद्र से चलता है, 15 पैसा लोगों तक पहुंचता है, ऐसे में इस कानून का विरोध वो लोग कर रहे है जो जनता के हक का 85 पैसा खा जाते थे, ऐसे लोगों के पेट में दर्द हो रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार में तत्कालीन ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री रमेशचंद्र मीणा ने खुद स्वीकार किया था कि बाड़मेर और नागौर जिले में मनरेगा में 300 करोड़ का घोटाला हुआ था। मीणा ने स्वीकार किया था कि फर्जी तरीके से भुगतान किए गए। उन्होंने कहा कि मनरेगा में डुप्लीकेट और फर्जी जॉब कार्ड, फर्जी मस्टरोल भरकर भुगतान उठाने और श्रमिकों को भुगतान नहीं करने के अनगणित मामले है। लगभग 11 लाख से शिकायते दर्ज की गई है। मनरेगा भ्रष्टाचार पर टिप्पणी करते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने सरपंचों को बोलेरो सरपंच कहा था, आज वे सब बातें भूल गए है क्योंकि कांग्रेस रामजी के नाम को पचा नहीं पा रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस जिस मनरेगा को अपनी बड़ी उपलब्धि बता रही है, उस मनरेगा में अब तक 11.74 लाख करोड़ रुपए खर्च हुए है, जिसमें सर्वाधिक मोदी सरकार ने 11 साल में 8.53 लाख करोड़ रुपए खर्च किए। नए कानून से ग्राम पंचायत की ग्राम सभा में तय किए गए काम के आधार पर 125 दिन रोजगार की गारंटी मिलेगी, काम नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ता मिलेगा। सामाजिक ऑडिट अनिवार्य होगी, इसके साथ ही फर्जीवाड़ा रोकने के लिए बायोमैट्रिक उपस्थिति, जीयो टैगिंग और एआई तकनीक के उपयोग सहित अनेक कदम उठाए गए है। बुवाई और कटाई के समय में किसानों को पर्याप्त मजदूरी मिले, इसके लिए 60 दिन तक राज्य सरकारें काम को रोक सकेगी। श्रमिकों का भूगतान 15 दिनों में अनिवार्य रूप से करने और भूगतान नहीं करने की दिशा में मुआवजा करने देने का प्रावधान किया गया है। इस नए कानून से ना केवल जरूरत मंद को रोजगार मिलेगा, बल्कि विकसित भारत के लिए विकसित ग्राम पंचायत बनाने के अभियान को गति भी मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी गांव और गरीब के कल्याण को प्राथमिकता रखती है। इस कानून के माध्यम से गांव के जरूरतमंद गरीब को रोजगार मिलेगा और गांव में आधारभूत सरंचनाओं का निर्माण होगा। इससे गांव विकसित होगा, विकसित भारत के साथ कदमताल कर सकेंगे।

न्युवोको काँक्रीटो ट्राई शील्ड लॉन्च

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ। न्युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड, भारत की भरोसेमंद बिल्डिंग मटीरियल कंपनी, ने न्युवोको काँक्रीटो ट्राई शील्ड के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक हाई-परफॉर्मेंस रेडी-मिक्स काँक्रीट है जिसे स्ट्रक्चर की ड्यूरेबिलिटी और लंबी उम्र बढ़ाने के लिए इंजीनियर किया गया है।

न्युवोको काँक्रीटो पोर्टफोलियो का हिस्सा, न्युवोको काँक्रीटो ट्राई शील्ड एक थ्री-इन-वन ड्यूरेबिलिटी सॉल्यूशन है जिसे पूरे भारत में स्ट्रक्चर को बढ़ते सख्त पर्यावरणीय प्रभावों से बचाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह प्रोडक्ट खास तौर पर बोरवेल के पानी और तटीय हवा में हाई क्लोराइड लेवल, शहरी प्रदूषण के कारण होने वाले तेज कार्बोनेशन और भारत के कई क्षेत्रों में मौजूद सल्फेट से भरपूर मिट्टी और भूजल के बुरे प्रभावों का मुकाबला करने के लिए विकसित किया गया है। ये पर्यावरणीय कारक मटीरियल के खराब होने की प्रक्रिया को तेज करने और लंबे समय तक स्ट्रक्चर की ड्यूरेबिलिटी से समझौता करने के लिए जाने जाते हैं। इनोवेशन और सेल्स एक्सीलेंस, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड हेड मार्केटिंग चिराग शाह ने कहा कि न्युवोको काँक्रीटो ट्राई शील्ड हमारे इस कमिटमेंट को दिखाता है कि हम ऐसे इनोवेशन के जरिए कस्टमर वैल्यू बनाते हैं जो जमीन पर कंस्ट्रक्शन की असली चुनौतियों का सामना करते हैं। जैसे-जैसे स्ट्रक्चर का समय से पहले खराब होना सभी के लिए एक बड़ी चिंता बनती जा रही है, यह सॉल्यूशन, अपने अनोखे ट्राई शील्ड फॉर्मूलेशन के साथ, ड्यूरेबिलिटी बढ़ाने, सर्विस लाइफ बढ़ाने और रिपेयर साइकिल को लंबा करने के लिए इंजीनियर किया गया है।

दो शावकों के साथ बाघिन देख रोमांचित हुए पर्यटक

अलवर @ जागरूक जनता। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का बाघ अभयारण्य के बफर ज़ोन में सफारी के दौरान बाघिन एसटी-2302 को उसके दो शावकों के साथ देखकर पर्यटक रोमांचित हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाघिन दोनों शावक के साथ बैठी नजर आयी। कुछ देर बाद मां अलग हुई और दोनों शावक भी अलग-अलग दिशा में जाते दिखे। इसी दौरान एक शावक ट्रैक के पास बैठा रहा, तो दूसरा सीधे पर्यटकों की जिप्सी की ओर आता नजर आया। इस दृश्य को पर्यटकों ने अपने कैमरे में कैद कर लिया। शावक के इस दीदार से पर्यटक बेहद उत्साहित दिखे।

सेना दिवस से पूर्व जवाहर कला केंद्र में विशिष्ट सिम्फनी बैंड आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सेना दिवस परेड 2026 के पूर्व आयोजन के रूप में भारतीय सेना द्वारा 05 जनवरी 2026 को जवाहर कला केंद्र, जयपुर में एक विशेष सिम्फनी बैंड प्रस्तुति का आयोजन किया गया। इस भव्य सांस्कृतिक संध्या में संगीत, परंपरा एवं सैन्य अनुशासन का उत्कृष्ट समन्वय देखने को मिला, जिसने उपस्थित विशिष्ट अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमांड तथा श्रीमती बरिंदर जीत कौर, क्षेत्रीय अध्यक्षा, आर्मी वुमेन्स वेलफेयर एसोसिएशन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस प्रस्तुति में भारतीय सेना के सिम्फनी बैंड की संगीतात्मक उत्कृष्टता एवं समृद्ध विरासत का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। इस संगीत कार्यक्रम ने देशभक्ति, अनुशासन और सांस्कृतिक गरिमा की भावना को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। यह आयोजन 15 जनवरी 2026 को जयपुर में आयोजित होने वाली सेना दिवस परेड के लिए एक महत्वपूर्ण 'कर्टन रेज़र' सिद्ध हुआ। इस संध्या को एक विशिष्ट सांस्कृतिक आयाम प्रदान करते हुए आर्मी वुमेन्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा एक प्रभावशाली प्रेजेंटेशन सेरेमनी भी आयोजित की गई। इस प्रस्तुति ने सैन्य परिवारों की शक्ति, प्रतिभा एवं अडिग मनोबल को उजागर किया तथा राष्ट्र की सशस्त्र सेनाओं के प्रति उनके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के दौरान रोटरी क्लब जयपुर, जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी तथा महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल ने आर्मी वुमेन्स वेलफेयर एसोसिएशन को आर्थिक सहायता एवं मोबिलिटी सहायक उपकरण प्रदान कर पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों के कल्याण हेतु महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह पहल समाज के प्रति उत्तरदायित्व और सैनिक परिवारों के प्रति सम्मान की भावना को सशक्त रूप से प्रतिबिंबित करती है।

विशेष सिम्फनी बैंड प्रस्तुति को दर्शकों द्वारा व्यापक सराहना मिली और इसने सांस्कृतिक माध्यमों के जरिए जनसंपर्क को सुदृढ़ करने की भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को पुनः प्रमाणित किया। साथ ही यह आयोजन सेवा, बलिदान और एकता जैसे मूल्यों के उत्सव का प्रतीक रहा।

जवाहर कला केंद्र में आयोजित यह स्मरणीय सांस्कृतिक संध्या आगामी सेना दिवस परेड 2026 के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार करने में सफल रही तथा सैन्य परंपरा और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के बीच अद्भुत सामंजस्य को प्रतिबिंबित करती है।

शहीद स्मारक पर लम्बित मांगों को लेकर धरना

जयपुर @ जागरूक जनता। सर्व शिक्षा अभियान विशेष शिक्षक संघ राजस्थान ने भामस के बैनर तले अपनी विभिन्न 20 वर्षों से चली आ रही लम्बित मांगो को लेकर शहीद स्मारक पर प्रदेश महामंत्री जुगलकिशोर अवस्थी के नेतृत्व में एक दिवसीय धरना रखा गया। जिसमें 20 वर्षों से दिव्यांग बच्चों की शिक्षा की नींव रखने वाले संविदा विशेष शिक्षको के साथ हो रहा शोषण अन्याय से मुक्ति के लिए धरना दिया गया जिसमें सर्वोच्च न्यायालय आदेश रिट संख्या 132/2016 दिनांक 7/3/2025 के अनुसार नियमित सेवा लाभ की मांग रखी गई एव एक ही विभाग में समान पदों पर अलग अलग मानदेय व अलग अलग रखने का तरीका भेदभाव खत्म की बात रखी गई। प्रदेश अध्यक्ष राम खिलाड़ी मीणा द्वारा प्लेशमेन्ट एजेन्सी से मुक्ति की मांग करते हुए चूरू में समान पदों पर संविदा विशेष शिक्षकों के समान की बात उठाई गई एवं मार्डल राज्य सन्दर्भ कक्ष पर लगे संविदा विशेष शिक्षकों के बराबर 33 हजार की बात रखी गई प्रदेश कोषाध्यक्ष नरेश मीणा द्वारा MHRD से स्वीकृत बजट 42166 की बात रखी सुधांशु गुप्ता द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश मानदेय की आवाज उठाई गई प्रदेश उपाध्यक्ष मंन्जू शर्मा द्वारा pf/ epf नहीं काटा जा रहा है जिसे तत्काल शुरू किया जाए एव राज्य कर्मचारी का दर्जा की बात रखी राजेन्द्र शर्मा द्वारा एक ही विभाग में समान पदों पर एक ही समान मानदेय दिया जाए।

सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की जोनल रिव्यू कॉन्फ्रेंस 8 एवं 9 को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 8 एवं 9 जनवरी को दो दिवसीय जोनल रिव्यू कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य सहकारिता क्षेत्र में केंद्र एवं राज्यों द्वारा संचालित विभिन्न पहलों की प्रगति की समीक्षा करना तथा भविष्य की रणनीति पर विचार-विमर्श करना है। कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी संबोधित करेंगे जबकि, राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास वीसी के माध्यम से उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर सहकारिता मंत्रालय के संयुक्त सचिव (सीटीपी प्रभाग) द्वारा विषय पर ओवरव्यू प्रस्तुतीकरण दिया जाएगा तथा सहकारिता विभाग, राजस्थान की शासन सचिव द्वारा स्वागत उद्बोधन होगा। सहकारिता विभाग की शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती आनन्दी ने बताया कि दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर आधारित कुल 12 सैशन्स होंगे। सहकारिता मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही देश के सभी राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों से सहकारिता विभाग के सचिव एवं रजिस्ट्रार इस कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे। समापन सत्र के बाद 9 जनवरी को प्रतिभागियों द्वारा राजसमन्द एवं उदयपुर जिले में सहकारी संस्थाओं एवं एफपीओ का भ्रमण किया जाना प्रस्तावित है।

ट्रांसजेण्डर कल्याण बोर्ड की बैठक

ट्रांसजेंडर समुदाय को मिले शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के लिए समान अवसर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिकता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि सरकार की मंशा है कि ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के लिए समान अवसर, स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुँच, आवास और सामाजिक सुरक्षा मिल सके।

गहलोत मंगलवार को राजस्थान ट्रांसजेण्डर कल्याण बोर्ड की बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील सरकार में यह केवल एक वर्ग का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह मानव गरिमा, समानता और सामाजिक न्याय से जुड़ा हुआ विषय है।

मंत्री ने कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा रहा है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को तीसरे लिंग के रूप में मान्यता देना, हमारे लोकतंत्र की एक बड़ी उपलब्धि है। राज्य सरकार ने 2016 में राजस्थान ट्रांसजेण्डर कल्याण बोर्ड का गठन किया था। राज्य सरकार हर वह प्रयास करेगी जिससे ट्रांसजेंडर व्यक्ति के अधिकारों का संरक्षण हों, उनके ज्यादा से ज्यादा पहचान प्रमाण पत्र बन सकें और समाज में वह सम्मान मिले जिसके वे वास्तव में हकदार हैं।

बैठक में ट्रांसजेण्डर समुदाय की समस्याओं का अध्ययन कर निराकरण करने के लिए नीति निर्धारित करने एवं नवीन योजनाओं के निर्माण व संचालन करने के लिये राजकीय विभागों को समुचित परामर्श प्रदान किये जाने के लिए गठित बोर्ड सदस्यों के साथ द ट्रांसजेंडर पर्सन (प्रोटेक्शन ऑफ़ राइट) एक्ट 2019 और ट्रांसजेंडर पर्सन (प्रोटेक्शन ऑफ़ राइट) रूल्स 2020 प्रावधानों को लागू करने पर चर्चा की गई। साथ ही ट्रांसजेण्डर समुदाय के व्यक्तियों को अन्य विभागों की योजनाओं से जोड़ने एवं लाभान्वित किये जाने और ट्रांसजेण्डर समुदाय के व्यक्तियों की समस्याओं के निराकरण एवं समाधान पर भी चर्चा की गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा ने अधिकारियों को ट्रांसजेंडर्स के पहचान प्रमाण पत्र बनवाने तथा उनके कल्याण संबंधी विभिन्न दिशा-निर्देश दिए। बैठक में निदेशक आशीष मोदी, ट्रांसजेंडर प्रतिनिधि पुष्पा माई सहित वित्त, विधि एवं विधिक कार्य, श्रम, कॉलेज शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, प्राथमिक शिक्षा, राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास मिशन, युवा मामले एवं खेल, विशेष योग्यजन, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, स्वायत्त शासन, राज्य महिला आयोग, राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, राजस्थान एड्स कन्ट्रोल सोसायटी एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।